हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 31 | अलीगढ़, बुधवार, 20 सितम्बर 2023 | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रूपये

एक सीट पर बैठे नजर आए ज्योतिरादित्य सिंधिया और सोनिया गांधी, नहीं की बात

नयी दिल्ली(एजेंसी)। नई संसद में जाने से पहले आज सेंट्रल हॉल में रोचक तस्वीर सामने आई। जब सोनिया गांधी के बगल में ज्योतिरादित्य सिंधिया अगल–बगल बैठे दिखाई दिये। ये तस्वीर उस वक्त सामने आई, जब सेंट्रल हॉल में आखिरी संयुक्त सेशन को पीएम नरेंद्र मोदी संबोधित कर रहे थे। संयुक्त सेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सांसदों से मुस्कुराकर मिलते दिखाई दिये। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी बातचीत करते दिखाई दिये। दरअसल, सेंट्रल हॉल में पुरानी संसद की कार्यवाही के अंतिम दिन संयुक्त सेशन रखा गया था। इस सेशल में सभी दलों के सांसद मौजूद रहे। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी सेंट्रल हॉल में पहुंची थीं। उनके साथ लोकसभा और राज्यसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, मल्लिकार्जुन खरगे भी थे। दोनों नेता सोनिया गांधी के साथ ही बैठे थे। जब तक कार्यक्रम की शुरूआत नहीं हुई। जब कार्यक्रम शुरू हुआ तो मल्लिकार्जुन खरगे और अधीर रंजन चौधरी को मंच पर जगह दी गई। इसके बाद सोनिया गांधी वाली सीट खाली हो गई। बराबर की सीट पर जगह कम होने के कारण ज्योतिरादित्य सिंधिया उठकर सोनिया गांधी के बगल में जाकर बैठ गए। नई संसद में जाने से पहले सेंट्रल हॉल में राज्यसभा और लोकसभा का संयुक्त सेशन रखा गया। यहां पर पीएम मोदी विपक्षी सांसदों से मिले.

उन्होंने सभी का अभिनंदन किया. इसी दौरान कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के बगल में केंद्रीय मंत्री सिंधिया सबसे आगे की सीट पर बैठे दिखाई दिए। कभी कांग्रेस पार्टी के साथ रहे सिंधिया ने मार्च 2020 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी ज्वॉइन कर ली थी। इस दौरान सिंधिया काफी खुश दिखाई दिए। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, कई सांसद मंगलवार को पुरानी इमारत से पैदल चलकर नए संसद भवन पहुंचे। इसके कुछ देर बाद संसद के नये भवन में लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई। प्रधानमंत्री मोदी के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जे पी नड्डा थे। उनके पीछे राजग सांसद श्भारत माता की जयश और वंदे मातरम जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी अलग से, पैदल चलकर नए संसद भवन पहुंचे। बाद में, विपक्षी दलों के कई सांसदों को भी नए संसद परिसर की ओर पैदल जाते देखा गया। इससे पहले, सांसदों ने पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित एक समारोह में भाग लिया। पीएम मोदी ने कहा– अब जबकि हम संसद के नए भवन में जा रहे हैं तो पुरानी संसद को भूलें नहीं। इसलिए अब इसे संविधान सदन के रूप में जाना जाए, जिससे पुरानी संसद के प्रति गरिमा बनी रहे। पीएम ने कहा– "आजादी के पूर्व यह खंड एक तरह से लाइब्रेरी के रूप में इस्तेमाल होता था..आजादी के बाद में संविधान सभा की बैठकें यहां हुईं और संविधान सभा की बैठकों के द्वारा गहन चर्चा के बाद हमारे संविधान ने यहां आकार लिया। यहीं पर 1947 में अंग्रेजी हुकूमत ने सत्ता हस्तांतर किया। उस प्रक्रिया का साक्षी यह सेंट्रल हॉल है। इसी सेंट्रल हॉल में हमारे तिरंगे, राष्ट्रगान को अपनाया गया। इस एतिहासिक अवसरों पर आजादी के बाद अनेक अवसर आए जब दोनों सदनों के मिलकर भारत के भाग्य को गणने के लिए सहमती बनाई।

उमा भारती बोली- सनातन धर्म राजनेताओं का नहीं, विद्वानों और धर्म गुरुओं का विषय, नेतागण रोटी, कपड़ा और मकान के बारे में सोचे

सीहोर(एजेंसी)। भाजपा की फायर ब्रांड नेता उमा भारती आज सीहोर के प्राचीन सिद्ध विनायक प्राचीन गणेश मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची। उन्होंने मंदिर में भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव गणेश चतुर्थी पर आयोजित महाआरती में हिस्सा लिया और विधिविधान से गणेशा जी की पूजा अर्चना की। यहां मीडिया से चर्चा के दौरान सनातन धर्म को लेकर कहा कि ये राजनेताओं का विषय नहीं है। ये विद्वानों और धर्म गुरुओं का विषय है। नेतागण रोटी, कपड़ा और मकान के बारे में सोचे। वहीं महिला आरक्षण बिल पेश किए जाने पर पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि 1996 में देवगौड़ा ने बिल पेश किया था बाद में ये बिल स्टैंडिंग कमेटी में चला गया था। मैंने इस बिल के संबंध में एक संसोधन भी पेश किया था और आज ही पीएम मोदी को पत्र लिखकर उस संशोधन की कॉपी भेजी है ओर मैं चाहती हूं कि बिल को संशोधन के साथ पेश किया जाए। उन्होंने कहा कि मैं इस बिल को लेकर तब भी खुश थी और आज भी खुश हूं। नई संसद भवन को लेकर उमा भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बहुत ही कम समय में इस भवन का निर्माण कार्य पूरा कराया है। मैं उनको इसके लिए धन्यवाद देती हूं। सनातन धर्म पर उठे विवाद को लेकर उमा भारती ने कहा कि ये राजनेताओं का विषय नहीं

है। ये विद्वानों और धर्म गुरुओं का विषय है। नेता रोटी, कपड़ा और मकान के बारे में सोचे। सनातन धर्म के बारे में धर्म गुरु विचार करेंगे। कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा के बारे में कहा कि कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा कहीं जनता के आक्रोश का शिकार न हो जाए।

महिला आरक्षण बिल पेश करने के दौरान कन्फ्यूजन, राजनाथ को समझाते दिखे शाह

नयी दिल्ली(एजेंसी)। नई संसद में पहले दिन की कार्यवाही के रूप में मोदी सरकार ने बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण बिल को पेश कर दिया। लेकिन, जब केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा 128वां संविधान संशोधन विधेयक–2023श पेश कर रहे थे, उसी समय कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी, गौरव गोगोई और असदुद्दीन ओवैसी सहित कई विपक्षी सांसदों ने बिल के बिजनेस में शामिल नहीं होने और बिल की कॉपी नहीं मिलने का मुद्दा उठाकर हंगामा करना शुरू कर दिया।

इस पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि नई तकनीक का जमाना है, नई संसद है, इसे टैब पर अपलोड कर दिया गया है, सांसद अपनी सीट पर टैब में देख सकते हैं।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी और अर्जुन राम मेघवाल ने विरोधी सांसदों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बिल सप्लीमेंट्री लिस्ट ऑफ बिजनेस में शामिल हैं और सांसद इसे टैब में देख सकते हैं। स्मृति ईरानी सहित कई केंद्रीय मंत्री भी विपक्षी सांसदों को यह बताते नजर आए कि टैब में बिल दिख रहा है। कई सांसदों और मंत्रियों ने तो अपने सामने लगे टैब को खोल कर खुद ही उसे ढूंढ लिया तो सदन में मौजूद कई कर्मचारी भी सांसदों की मदद करते नजर आए।

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बगल में बैठे राजनाथ सिंह के पास जाकर उन्हें यह बताते नजर आए कि टैब में इसे कहां ढूंढा जा सकता है। वहीं, असदुद्दीन ओवैसी समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन के पास जाकर उन्हें टैब के फंक्शन के बारे में समझाते नजर आए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी विपक्षी सांसदों की सीट पर जाकर उन्हें इस बारे में बताते नजर आए।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध ने आबकारी विभाग की मण्डलीय समीक्षा की

विभागीय लक्ष्यों की शतप्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की जाए

अलीगढ़। मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग श्री नितिन अग्रवाल जी ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन द्वारा आयोजित श्श्व्यापारी महासम्मेलनश्श में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करने के उपरान्त सर्किट हाउस सभागार में आबकारी विभाग की मण्डलीय समीक्षा कर विभागीय प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए अधिकारियों को लक्ष्य प्राप्ति, अवैध शराब पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने एवं प्रवर्तन कार्य को बढ़ाए जाने सम्बन्धी आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग श्री नितिन अग्रवाल जी ने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बाहर लाने के लिए प्रदेश सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। शराब बन्दी का नशामुक्ति से कोई ताल्लुक नहीं है। शराब बिक्री से सरकार को एक बड़ा राजस्व प्राप्त होता है। प्रदेश में विभिन्न माध्यमों से एकत्र किये गये राजस्व से ही जनहितकारी योजनाओं के संचालन एवं विकास कार्य कराए जाते हैं। युवाओं को नशेकी लत से दूर रखने एवं छुटकारा दिलाने के लिए विभिन्न एनजीओ के माध्यम से नशामुक्ति केन्द्रों का संचालन किया जारहाहै, इसके सार्थक एवं सकारात्मक परिणाम भी आ रहे हैं और युवा नशा छोड़कर सामान्य जीवन जी रहे हैं।

मा0 आबकारी मंत्री ने कहा कि एक समय था जब प्रदेश में अपराध सातवें आसमान पर था, लेकिन आज प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कानून व्यवस्था के साथ कोई खिलबाड़ करना तो दूर हिमाकत भी नहीं कर सकता है। प्रदेश का योगी मॉडल समूचे भारत में अपनी धाक जमाए हुए है। हाल ही में आयोजित इंवेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश को अपेक्षा से अधिक निवेश प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश की सरकार उद्यमियों, व्यापारियों एवं निवेशकों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। प्रदेश में निवेश फ्रेंडली माहौल के चलते भारत की विश्व स्तर की बड़ी–बड़ी कम्पनियां प्रदेश में निवेश के लिए आतुर ही नहीं बल्कि बढ़–चढ़कर निवेश भी कर रहीं हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी के 05 ट्रिलियन डालर इकॉनमी के लक्ष्य को साकार करने में प्रदेश सरकार द्वारा पूरा सहयोग किया जा रहा है। प्रदेश के चहुॅमुखी विकास एवं बेहतर कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश की छवि भारत ही नहीं बलिक समूचे विश्व में बदली है। केन्द्र में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं प्रदेश में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की अगुवाई में भारत विश्व गुरू बनने की दिशा में अग्रसर है।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग श्री नितिन अग्रवाल जी ने सर्किट हाउस में समीक्षा के दौरान कहा कि शराब की ओवर रेटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारी सरकार द्वारा आवंटित लक्ष्य के अनुरूप वसूली करें। उन्होंने लक्ष्य की प्राप्ति न करने वाले अधिकारियों को सचेत किया कि वह किसी झांसे में न रहें, यदि विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होती है तो उनके विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

मा0 मंत्री जी ने कहा कि यह बड़े हर्ष का विषय है कि अलीगढ़ मण्डल राजस्व वसूली में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस बार आप सभी को मिलकर 50 हजार करोड़ का लक्ष्य प्राप्त करना है। विगत वर्ष आप सभी के सहयोग से 48000 करोड़ का रिकार्ड लक्ष्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने सभी आबकारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि 50000 करोड के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गत वर्ष की प्राप्ति के सापेक्ष जब वह 120 गुना लक्ष्य प्राप्त करेंगे तभी इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। समीक्षा के दौरान उन्होंने गत वर्ष के सापेक्ष अलीगढ़ को 110 प्रतिशत, हाथरस को 105 प्रतिशत एटा को 110 और कासगंज को 105 प्रतिशत राजस्व वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मंडल ही नही अपितु प्रदेश भर में प्रवर्तन कार्य अच्छा हुआ है। प्रदेश में डेढ़ साल की कार्यकाल में कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। मा0 मंत्री ने जनपद अलीगढ़ में हुई बड़ी शराब की घटना के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध जिला बदर, गैंगस्टर, एनएसए और जिले की टॉप 10 अपराधियों की सूची में नाम सम्मिलित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि मण्डल भर में विगत सितम्बर माह में 104.40 करोड़ राजस्व की प्राप्ति हुई थी। जो चालू वित्तीय वर्ष में 164.98 करोड़ के सापेक्ष अब तक 70.22 करोड़ की प्राप्ति की जा चुकी है। इसी प्रकार जिला अलीगढ़ में विगत सितम्बर माह में 50.24 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई थी। चालू वित्तीय वर्ष में 84.86 करोड़ के सापेक्ष 34.12 करोड़, जिला हाथरस में विगत माह सितम्बर में 19.46 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 28.91 करोड़ के सापेक्ष 12.61 करोड़, जिला एटा में 20.67 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि कि वर्तमान में 30.33 करोड़ के सापेक्ष 13.96 करोड़ एवं जिला कासगंज में विगत माह सितम्बर में 14.03 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई, चालू वित्तीय वर्ष माह सितम्बर के 20.88 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 9.14 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई। मण्डल भर में 1433 छापमारी की गई जिससे 200 मुकदमे दर्ज कर 4610 लीटर शराब जब्त की गई। 5000 किलोग्राम महुआ लहन मौके पर नष्ट किया गया। 149 जब्तियों को गिरफ्तार किया गया। मण्डल भर में चिन्हित किये गए संदिग्ध ग्रामों में 560 छापामार कार्यवाही करते हुए 1200 लीटर अवैध शराब जब्त की गई।

प्रदेश के मा0 आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिये कि अवैध शराब के धंधे में लिप्त लोगों के साथ सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाए। कानूनी कार्यवाही ऐसी हो कि प्रदेश भर में नजीर बने और अवैध शराब का धंधा करने वालों को सबक मिले। उन्होंने कहा कि सूचना तंत्र को मजबूत करते हुए समय–समय पर छापामार कार्यवाही करते हुए प्रवर्तन कार्य को बढ़ाएं। राजस्व प्राप्ति के मामलों में जो जनपद पिछड़ रहे हैं प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाते हुए राजस्व वसूली करें। ओवररेटिंग की शिकायत पर आबकारी निरीक्षक को चाहिए कि वह तत्काल दुकान की जांच करें और शिकायत सही होने पर नियमानुसार अर्थदण्ड भी अधिरोपित किया जाए। यदि विक्रेता का ओवररेटिंग का आदी पाया जाता है तो लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया अपनाएं। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि प्रवर्तन कार्य में इस बात की विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है कि अवैध में जहरीली शराब की बिक्री न होने पाए, इससे जन एवं राजस्व हानि होने के साथ ही प्रदेश सरकार की छवि भी धूमिल होती है। मा0 मंत्री ने सभी आबकारी अधिकारियों को ऑनलाइन पेमेंट को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये।

बैठक में संयुक्त आयुक्त आबकारी, उप आयुक्त आबकारी समेत सभी जिला आबकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकार सुरक्षा कानून बनाकर मीडिया को वास्तविक आजादी देने की मांग

मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन दिनेश त्रिवेदी अध्यक्ष एवं डा. अनिल कटियार महामन्त्री घोषित

लखनऊ (एजेंसी)। देश के सभी प्रांतों में पत्रकारों को एक समान सुविधाएं प्रदान की जायें तथा देश में पत्रकार सुरक्षा कानून बनाकर देश के सभी राज्यों में मीडिया को वास्तविक आजादी प्रदान की जाय। यह बात मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्य समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार धनराज महेश्वरी ने कही।

इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सर्व सम्मति से गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी, उपाध्यक्ष केशव कुमार पाण्डेय व श्रीमती पूनम माटिया, महासचिव डॉ. अनिल कटियार, सचिव मोनिका महाजन, संगठन सचिव राजेश त्रिवेदी, संगठन प्रभारी रमेश शंकर पाण्डेय, कोषाध्यक्ष अमृता पाण्डेय, प्रवक्ता विकास त्रिवेदी, सदस्य रजनीश पाण्डेय, जयप्रकाश तिवारी, धनञ्जय कुमार, गायत्री शुक्ला, रवींद्र कुमार शर्मा घोषित किये गए। अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय कार्य समिति में आठ राज्यों के प्रतिनिधि शामिल किये गए हैं। संगठन विस्तार की स्थिति में अन्य राज्यों के पत्रकारों को भी केंद्रीय इकाई में स्थान दिया जायेगा।

बैठक को डॉ. अनिल कटियार, उमा मिश्रा, केशव कुमार पाण्डेय, गगन श्रीवास्तव, संदीप अस्थाना, कालीचरण दीक्षित, राजेश त्रिवेदी ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन अलोप कुमार तिवारी ने किया।

रास्ते में खराब हुई बस तो एआरएम व फोरमैन होंगे जिम्मेदार

बांदा(संवाददाता)। परिवहन निगम के अधिकारी अब सप्ताह में एक दिन कार्यशाला का निरीक्षण कर बसों की खामियों को दुरुस्त कराएंगे। फोरमैन बस को चेक करने के बाद वर्कशाप से बाहर निकालेंगे। मार्ग पर बस के खराब होने पर एआरएम व फोनमैन को जिम्मेदार माना जाएगा। अपर प्रबंध निदेशक अन्नपूर्णा गर्ग ने क्षेत्रीय प्रबंधकों को भेजे गए आदेश में कहा कि अभियान चलाकर बसों की खामियों को दूर कराया जाए। सप्ताह में एक दिन आरएम, एआरएम व एसएम वर्कशाप का निरीक्षण करेंगे। बसों की खामियों को दुरुस्त कराएंगे। लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। फोरमैन बसों को पूरी तरह से चेक करने के बाद ही कार्यशाला से बाहर निकालेंगे। मार्ग पर बस के खराब होने पर एआरएम सहित फोरमैन को जिम्मेदार मानते हुए कार्रवाई की जाएगी। कहा कि अधिकारी गोद ली बसों के अतिरिक्त बसों पर भी ध्यान दें। वर्कशाप के निरीक्षण के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि बस की लाइट, सेल्फ, सीट, दरवाजा, खिड़की, टायर आदि सही हों। आरएम संदीप अग्रवाल का कहना है कि अधिकारी पहले भी वर्कशाप का निरीक्षण करते थे। शासन के आदेश के बाद सप्ताह में एक दिन अधिकारियों को निरीक्षण बावत निर्देश दिए गए है।

हत्या के प्रयास का आरोपी पकड़ा, लाइसेंसी बंदूकें, 9 जिंदा कारतूस और 2 खोखा कारतूस बरबाद

बांदा (संवाददाता)। जनपद में आज पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जहां पर हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे 3 अभियुक्तों को पुलिस ने पकड़ लिया है। एक व्यक्ति के मारने पीटने वा जान से मारने का प्रयास किया गया था। जिसे पुलिस तलाश कर रही थी। पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्यवाही में जुट गई है। पूरा मामला बांदा जनपद के बिसंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत का है, जहां पर कुछ लोग बीते दिन 17–09–2823 को बिसंडा थाना के इटवा में एक व्यक्ति को मारने वा जान से मारने के नियत से फायर करने वाले अभियुक्तों को पुलिस ने पकड़ लिया है। अभियुक्तों के पास से 3 लाइसेंसी बंदूकें, 9 जिंदा कारतूस और 2 खोखा कारतूस बरबाद हुई है।

ये तीनों अभियुक्त बिसंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत इटवा के रहने वाले हैं। पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और आगे की कार्यवाही में लग गई है। मिली जानकारी के अनुसार बिसंडा थाना क्षेत्र के इटवा के रहने वाले शिव कुमार, भुवनेंद्र वा भानु प्रताप और अन्य लोगों ने पुराने विवाद को लेकर गांव के ही अरविंद त्रिपाठी को मारा पीटा तथा जान से मारने की नीयत से फायर किया था।

संपादकीय

अलविदा, अभिनंदन

भले ही सोमवार को देश का सबसे बड़ा लोकतंत्र का मंदिर संसद भवन पुराना संसद भवन बन गया हो, लेकिन यह भवन भारतीय संविधान की रचना से लेकर लोकतंत्र के उदय व परिपक्व हो जाने का साक्षी रहा है। सोमवार को पांच दिवसीय विशेष संसद सत्र का पहला दिन इस संसद भवन की संसदीय कार्यवाही का आखिरी दिन बना। संसद भवन में पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी से लेकर डॉ. मनमोहन सिंह तक के कार्यकाल को याद किया गया। वहीं पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद से लेकर मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तक के संबोधन का स्मरण किया गया। निस्संदेह, इस संसद भवन को देश के पंद्रह प्रधानमंत्रियों का नेतृत्व मिला। सदन ने संवाद के जरिये देश की दशा सुधारने और नई दिशा देने का गुरुतर दायित्व निभाया। एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में पिछले साढ़े सात दशक में सामूहिकता के निर्णय इसकी जीवंतता को ही दर्शाते हैं। इसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का दर्जा देते हैं। इस सदन में जनता के प्रतिनिधि ा आमजन के दुख–दर्द को महसूस करते हुए नये कानूनों को मूर्त रूप देते रहे। जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक न्याय के लिये अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। जब भी देश पर कोई बड़ा संकट आया, पक्ष–विपक्ष ने एकजुट होकर उसका मुकाबला किया। निस्संदेह, पुरानी संसद का भवन देश के तमाम बदलावकारी फैसलों का गवाह रहा है। देश के आजाद होने के बाद इसको संसद भवन के रूप में चुना जाना इसके महत्व को ही दर्शाता है। कुछ आलोचक इसे ब्रिटिशकाल में बना हुआ बताते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये भारतीयों की खून–पसीने की मेहनत व पैसे से साकार हो पाया। सही मायनों में संसद भवन महज एक भवन नहीं होता, यह देश का दिल रहा है, जो आम आदमी के लिये धड़कता रहा है। जिसकी साख को 75 साल में देश के हर राजनीतिक दल ने समृद्ध ही किया।निस्संदेह, देश का पुराना संसद भवन आजाद भारत के निर्णायक फैसलों का प्रत्यक्षदर्शी रहा है। आजादी के बाद भारत के लोकतंत्र की दिशा निर्धारित करने वाले संविध ाान के निर्माण का कार्य इस सदन में हुआ। इस भवन में निरंतर चलने वाली संविधान सभा की 165 बैठकों के बाद 26 जनवरी 1950 को नया संविधान अस्तित्व में आया। यह ठीक है कि व्यवस्थाओं को केंद्रित करने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नये संसद भवन का निर्माण हुआ है। लेकिन बेहतर होता कि इसमें देश के हर राजनीतिक दल की सक्रिय भागीदारी होती। सबको साथ लेकर चलना ही लोकतंत्र की खूबसूरती है। यह लोकतंत्र का आदर्श भी है। विपक्षी दलों के नेता कहते भी रहे हैं कि भवन बदलने के बजाय देश के हालात बदलना प्राथमिकता होनी चाहिए। बेरोजगारी, महंगाई व सामाजिक न्याय प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार का नजरिया समावेशी होना चाहिए। निस्संदेह, देश में बढ़ती आबादी व संसदीय क्षेत्रों के विस्तार के बाद अधिक सासंदों के लिये नये भवन की जरूरत अपरिहार्य ही है। यह अच्छी बात है कि नये भवन में बेहतर सहूलियतें व नई तकनीक से सांसदों की कार्यक्षमता को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन ये निर्णय एकांगी राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के वाहक नहीं होने चाहिए। किसी दल विशेष को भी इसका श्रेय नहीं लेना चाहिए। महत्वपूर्ण यह होगा कि नये संसद भवन का कार्य समावेशी भाव से अधिक जनहितकारी हो। खासकर नई संसद का छोटा सत्र खास मूल्यवान साबित हो सके। साथ ही उन गौरवशाली परंपराओं का विस्तार हो, जो पुराने सदन में दशकों से चली आ रही थीं। इस सदन में लोकतंत्र के उत्सव व उमंग का भाव बना रहे। भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली विरासत का विस्तार निरंतर जारी रहे। यह जन–भावनाओं की अभिव्यक्ति का मंच बना रहे। जिससे यह देश दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र होने को सार्थक कर सके। साथ ही वैश्विक चुनौतियों से मुकाबला करने का दमखम भारतीय लोकतंत्र को देने में सक्षम हो। वहीं यह देश के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मुखर आवाज भी बना रहे। जो इसके प्रति अपने मन में सदैव लोकतंत्र के मंदिर जैसा श्रद्धाभाव बनाये रखे।

मेष :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधियों का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कार्य क्षमता का लाभ मिलेगा।

बृषभ :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीति से जुड़े लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाकर रखें। शिक्षा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु मन में चिंता संभव। कायरे की अत्याधिक व्यस्तता से मन बोझिल होगा। पारंपरिक कायरें में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार बिखेरेंगे। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिंता उत्पन्न करेगा। किसी नये कार्य की ओर मन केंद्रित होगा। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

सिंह :– जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय लेकता है। जीवन साथी के साथ मधुरता बनायें।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढाएंगी। परिवार में सुखद माहौल बनेगा। जरूरी कायरे को समय से करें।

तुला :– हर समय स्वयं को लाचार बनाये रखना अच्छा नहीं है। समय का पूर्ण उपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्यक्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। तामसी व गैर सांस्कारिक कायरे की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगाने का प्रयास करें। जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करने का प्रयास करें।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत की चकाचौंध ा प्रभावित होंगे। रोजगार से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। व्यवहारकुशलता द्वारा मान–मर्यादा बढ़ेगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग सगे–संबंधियों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को कतई न पाले।

कुंभ :– अपनी दिनर्चया को सुधार समय का पूर्ण उपयोग करें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन में चिंता होगी। पारिवारिक जरूरतों की पूर्ति हेतु साधनाभाववश मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीन :– भौतिक सुख–साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी। परिश्रम द्वारा मिल रहे नये अवसरों का भरपूर लाभ उठा पाएंगे।

इतिहास से कटने और अलग दिखने की कवायद

देश के ऐतिहासिक संसद भवन में बुलाये गये अंतिम सत्र का पहला व आखिरी दिन अनुमानों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का श्वन मैन शोश ही रहा। सत्र प्रारम्भ होने के पहले मीडिया के समक्ष जिस प्रकार से मोदी ने सकारात्मक नोट से अपनी बातें प्रारम्भ कीं तथा लोकसभा के भीतर अपने उद्बोधन में भी कुछ अच्छी बातें करके लोगों को कुछ समय के लिये चकित किया, उससे लगा कि मोदी भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली परम्परा का निर्वहन करते हुए यहां से बिदाई चाहते हैं। होना वही चाहिये था परन्तु अपनी तासीर के मुताबिक उन्होंने वे नकारात्मक बातें भी आखिरकार कह ही डालीं जो कम से कम ऐसे मौकों पर नहीं कहनी चाहिये थीं। बहरहाल, करीब 100 वर्ष पुराना यह संसद भवन, जो महान नेताओं के भाषणों, चर्चाओं, आरोप–प्रत्यारोपों, स्पष्टीकरणों, बयानों, अविश्वास प्रस्ताव लाने और विश्वास मत जीतने, प्रधानमंत्री समेत विभिन्न मतों की सरकारों के बनने व गिरने की अनेकानेक गाथाएं लेकर हमेशा के लिये बन्द हो रहा है। यह भी देखना होगा कि आगे इस भवन का इस्तेमाल किस तरह से मोदी सरकार करती है क्योंकि उनकी विचारधारा के विपरीत वैचारिकी व सैद्धांतिकी का प्रवर्तन करने वाली सारी इमारतों को वे ऐसा रूप देना चाहते हैं कि इतिहास उनका पीछा छोड़ दे। यहां का सारा माल–असबाब अब नये संसद भवन में तो चला जायेगा लेकिन देखना होगा कि क्या नया संसद भवन लोकतंत्र को वैसा ही मजबूती प्रदान करेगा, जैसा इस भवन के दोनों सदनों– लोकसभा व राज्यसभा ने किया है? देखना यह भी होगा कि

क्या प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित असहमति के भी सम्मान की उज्ज्वल परम्परा का निर्वाह नयी संसद कर पायेगी? हालांकि पिछले 9 वर्षों से अधिक समय से देश तो असहमति के कुचलने के ही दृष्टांतों का साक्षी रहा है– संसद के भीतर ही नहीं बल्कि बाहर भी। लोकसभा का चुनाव अगले साल के मध्य में निर्धारित है। मोदी इसके पहले ऐसा भवन बनवा लेना चाहते थे जिस पर उनका नाम ऐसा लिखा हो जो मिटाया न जा सके। सम्भवतरू इसलिये कोरोना के वक्त इसका शिलान्यास हुआ और ढाई–तीन वर्षों की रिकार्ड गति से इसे पूरा कर लिया गया। यह वही समय था जब असंख्य लोग कोविड–19 की पहली और दूसरी लहर की चपेट में आकर आक्सीजन, एंबुलेंसों, अस्पताल में बिस्तरों की कमी से परेशान थे। श्मशान घाटों में लम्बी कतारें लगी थीं और मृत शरीर या तो नदियों में बहाये जा रहे थे अथवा नदी किनारे रेतों में दबाये जा रहे थे। दुनिया भर में जब सारी सरकारें अपने सारे वित्तीय संसाधनों का इस्तेमाल लोगों के बचाने में कर रही थीं, मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट सेंट्रल विस्टा निर्बाध रूप से साकार हो रहा था। संसद लोगों के लिये होती है परन्तु यह भवन लोगों की जान की परवाह किये बगैर पूरा हो रहा है जिसमें प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में बैठने का गौरव मोदी मंगलवार को प्राप्त करेंगे। एक धर्मनिरपेक्ष देश की सर्वोच्च पंचायत का उद्घाटन एक धर्म विशेष के आराध य की पूजा–अर्चना के साथ होना साफ संदेश है कि मोदी एक धर्म विशेष को वरीयता देते हैं। सबसे अच्छी बात यह होती कि इसमें सभी धर्मगुरु आमंत्रित होते। ऐसा हो तो बहुत अच्छा है। मोदी ने आश्चर्यजनक ढंग से ऐसे अनेक नामों का उल्लेख किया जिनका उच्चारण करने से वे कतराते हैं या उनकी सार्वजनिक आलोचना करते हैं। ऐसे लोगों में कांग्रेस के प्रधानमंत्रीगण नेहरू व लालबहादुर शास्त्री से लेकर मनमोहन सिंह तक शामिल हैं। उन्होंने संसद भवन की महत्ता व शक्ति को अनेक सन्दर्भों एवं उदाहरणों से स्थापित तो किया परन्तु यह समझाने में वे असफल रहे कि अगर यह भवन इतना महत्वपूर्ण है तो उसे छोड़कर नया भवन क्यों अपनाया जा रहा है जबकि सच्चे लोकतांत्रिक देशों के सांसद अपनी ऐतिहासिक इमारतों में ही बैठकर जनसेवा करते हैं। उनका बार–बार यह कहना कि नये भवन में नयी ऊर्जा, नये संकल्पों और नये विश्वास के साथ काम होगा, कहीं से इतने बड़े निर्णय को तर्कसंगत नहीं ठहराता क्योंकि ऊर्जा, संकल्प और विश्वास का सम्बन्ध तो मन से है। भला सीमेंट और सरियों से बनी इमारत से उसका क्या लेना–देना है? आखिरकार वर्ष 1947 में 14 व 15 अगस्त की रात को नेहरू ने जो अपना महान भाषण शनियति से साक्षात्कारत्व (ट्रिस्ट विद डेस्टिनी) को पढ़ा था, वह भी तो अंग्रेजों की बनवाई इसी इमारत के इसी हाल में पढ़ा था जहां खुद मोदी ने 9 वर्षों से अधिक शासन किया और कई फैसले लिये हैं। यह अलग बात है कि वे सारे असफल सिद्ध हुए जिन्होंने देश को बदहाल व विभाजित ही किया है। सम्भवतः अपनी इन्हीं नाकामियों से पीछा छुड़ाने के अलावा इतिहास से खुद के साथ तमाम भावी पीढ़ियों को काटने के लिये मोदी नयी इमारत का रुख कर रहे हैं। शायद यह भवन उन्हें उदात्त लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय मर्यादाओं की बारम्बार याद दिलाता होगा। भारत के जिन महान आदर्श पुरुषों की वे आलोचना करते हुए भी उनके समकक्ष होना चाहते हैं, उन्होंने मोदी को इस भवन की चारदीवारियों के बीच सहज नहीं होने दिया होगा। इतिहास से वे अलग दिखना चाहते हैं, इसलिये वे इससे बचकर अपने लिये अलग शरणस्थली निर्मित कर चुके हैं, जहां दूसरे दिन की कार्रवाई होगी, इस सत्र के तहत 22 सितम्बर तक होगी और आगे भी होती रहेगी। शायद मोदी सोचते होंगे कि नये भवन में जाने से इतिहास नये सिरे से लिखा जायेगा जिसमें उनकी नापंसदगी के लोग व घटनाएं नहीं होंगीं और अकेले वे ही होंगे, तो वे भूल कर रहे हैं। पते बदल जाने से इतिहास नहीं बदलता।

भारत-कनाडा की व्यापार वार्ता

आदित्य नारायण

भारत और कनाडा के सम्बन्ध पारंपरिक तौर पर मधुर रहे हैं परन्तु पिछले कुछ समय से कनाडा में जिस तरह की भारत विरोधी गतिविधियां प्रकाश में आयी हैं उन्हें देखते हुए इस देश की सरकार को सावधान होकर दौत्य सम्बन्धों की मिठास बरकरार रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए थे, मगर दुर्भाग्य से इसमें कोताही देखी गई। भारत लगातार कनाडा सरकार को इस बारे में सचेत करता रहा परन्तु फिर भी भारत विरोधी तत्व किसी न किसी रूप में सक्रिय दिखाई दिये और इस हद तक सक्रिय रहे कि उन्होंने इस देश की राजधानी ओटावा में भारतीय उच्चायोग कार्यालय तक को भी नहीं बख्शा। जी–20 देशों के सम्मेलन में भाग लेने कनाडा के प्रधानमन्त्री श्री जस्टिन ट्रूडो आये थे और उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की थी। मगर इससे पहले ही कनाडा का मीडिया यह खबर दे रहा था कि भारत के साथ होने वाली व्यापार समझौते की वार्ता को कनाडा ने आगे के लिए टाल दिया है। कनाडा और भारत के वाणिज्यिक सम्बन्ध बहुत घनिष्ठ माने जाते हैं और इस प्रकार के हैं कि कनाडा को भारत का निर्यात उससे आयात से कुछ अधिक है।दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ने के बावजूद शुल्क मुक्त व्यापार वार्ता तन्त्र को फिलहाल भारत ने ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इसकी वजह यही मानी जा

रही है कि दोनों देशों के बीच कुछ राजनैतिक मुद्दों पर असहमति है। मसलन कनाडा में पिछले महीनों में मन्दिरों पर हमला करने की घटनाएं प्रकाश में आयी और खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियां भी चर्चा का विषय बनीं। हालांकि कनाडा में प्रवासी भारतीयों की संख्या कम नहीं है और यही वजह है कि वहां की राजनीति में इन प्रवासी भारतीयों की शिरकत भी खासी है और भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक उसकी सरकार में मन्त्री तक हैं। कनाडा एक लोकतान्त्रिक देश है जहां भारतीयों ने कई दशकों पहले से ही जाना शुरू किया और वहां की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान भी दिया। मगर खालिस्तान समर्थकों को परोक्ष रूप से यहां बल भी मिलता रहा। भारत इस तरफ कनाडा सरकार का ध्यान खींचता रहा है और समय–समय पर अपना कड़ा विरोध भी दर्ज कराता रहा है। वास्तव में खालिस्तान समर्थकों का कनाडा में सक्रिय रहना द्विपक्षीय आपसी मधुर सम्बन्धों में कड़वाहट पैदा करता रहा है। विगत जुलाई महीने में ही भारत ने नई दिल्ली स्थित कनाडा के राजदूत को बुला कर इस सम्बन्ध में उन्हें कड़ा विरोध पत्र दिया था और अपेक्षा की थी कि वहां की सरकार इस बारे में आवश्यक कार्रवाई करेगी परन्तु स्थिति में सुधार न होता देख भारत ने दोनों देशों के बीच चल रही मुक्त शुल्क समायोजित सघन व्यापार वार्ता को टालने का निश्चय किया और तय किया कि जैसे ही ये समस्याएं सुलझ जायेंगी वैसे ही पुनः व्यापार वार्ता शुरू कर दी जायेगी।भारत कनाडा का दसवां सबसे बड़ा कारोबरी साझीदार है। विगत वित्त वर्ष 2022–23 में भारत ने कनाडा को 4. 10 अरब डालर के मूल्य का निर्यात किया और 4.05 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया। जबकि इससे पिछले वर्ष में निर्यात 3.76 अरब डालर का था और आयात 3.13 अरब डालर का था। इस प्रकार भारत के पक्ष में ही व्यापार सन्तुलन रहता है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कनाडा में सर्वाधिक प्रवासी भारत के पंजाब राज्य से हैं जिन्होंने यहां जाकर अपनी कड़ी मेहनत से इस देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है। इसके साथ ही कनाडा में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी भारत से युवा विद्यार्थी बड़ी संख्या में जाते हैं परन्तु श्री मोदी ने जब जी–20 सम्मेलन के अवसर पर कनाडा के प्रधानमन्त्री श्री ट्रूडो के साथ बातचीत की तो स्पष्ट कर दिया कि उनके देश में भारत विरोध ी गतिविधियां जारी हैं जिन्हें तुरन्त रोका जाना चाहिए। इस बातचीत के बाद भी भारत की तरफ से बहुत सख्त वक्तव्य जारी किया गया था। कनाडा में सक्रिय चरम व उग्रपंथी भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़काने का काम करते हैं और राजनयिक आवासों तक को निशाना बनाने से नहीं चूकते हैं। भारत ने कहा था कि ऐसे तत्वों की सांठगांठ संगठित अपराधी गिरोहों और नशीले पदार्थों के अवैध काराबारियों तक से हैं। अतः कनाडा को भी इस बारे में चिन्तित होना चाहिए।प्रधानमन्त्री ने साफ कर दिया था कि दोनों देशों के सम्बन्ध लोकतन्त्र और इसके तहत कानून का शासन जैसे साझा सिद्धान्तों पर टिके हुए हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के लोगों के बीच भी गहरे सम्बन्ध हैं। मगर दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता रुक जाने की मूल वजह भी यही है कि कनाडा अपने यहां उग्र व चरमपंथी तत्वों की नाक में नकेल डालता दिखाई नहीं पड़ रहा है। जिस वजह से भारत को कूटनीतिक सख्ती दिखाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भारत कनाडा को हीरे–जवाहरात व गहनों के अलावा कपड़ा, औषधियां, तैयार परिधान, इंजीनियरिंग या मैकेनिकल कलपुर्जे, कार्बनिक रसायन व स्टील का सामान निर्यात करता है और दालें, अखबारी कागज, एस्बेस्टोज, लौह कतरन, पोटाश, ताम्बा, खनिज व औद्योगिक रसायन आयात करता है। इसे देखते हुए दोनों देशों के बीच आयात–निर्यात जरूरी वस्तुओं का ही होता है। व्यापार वार्ता की शुरुआत विगत मार्च महीने में हुई थी और इसके कई दौर पूरे भी हो चुके थे।

सनातन धर्मः मद्रास हाईकोर्ट का संदेश

सत्य, अहिंसा, त्याग और परोपकार सनातन धर्म के मूलमंत्र हैं। समाज को समरस बनाने में सनातन धर्म की बहुत बड़ी भूमिका है। सनातन धर्म हमें प्रत्येक वस्तु, व्यक्ति में परमात्मा के दर्शन करने की शिक्षा देता है। सनातन धर्म कहता है कि गलतियां करें तब भी सच्चे मन से कोशिश करं कि फिर उन्हें न दोहरायें। सनातन ध र्म सिर्फ एक धर्म नहीं अपितु जीवन जीने का एक योजनाबद्ध क्रम, कला व तरीका है। मनुष्य के पूरे जीवन के हर पड़ाव में क्या–क्या योजनाएं व संस्कार निहित हैं, सब बातों का क्रमबद्ध ज्ञान सनातन धर्म हमें सिखाता है। सनातन धर्म उच्च आचरण के साथ–साथ मनुष्य को जीवन जीने की सभ्यता के विशेष मार्ग का दर्शन करता है। सनातन धर्म हमें सिखाता है कि कैसे एक राम सामान पुत्र अपने पिता के वचन का पालन करने के लिए समस्त भौतिक राज–पाट, सुख–सुविधाओं का त्याग करके चौदह वर्ष के लिए एक वनवासी का जीवन समाज कल्याण के लिए व्यतीत करता है। सनातन धर्म का पालन एक कठिन तपस्या है, जिसके मार्ग पर चलकर व्यक्ति केवल स्वयं के बारे में नहीं अपितु विश्व कल्याण के बारे में सोचता है और उसी हिसाब से आचरण करता है। सनातन धर्म किसी भी प्रकार से छोटा–बड़ा और ऊंच–नीच के भेदभाव को नहीं मानता। तमिलनाडु के युवा और खेलमंत्री उदयनिधि स्टालिन के

सनातन धर्म विरोधी बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया और सनातन को लेकर जोरदार चर्चा शुरू हो गई। कुछ ऐसी ही भाषा पधेरियार भी बोलते थे जिन्होंने 1925 में तमिलनाडु के कांग्रेसी आंदोलन में ब्राह्मण वर्चस्व के विरोध में कांग्रेस को छोड़ दिया था। पेरियार छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ थे। सामाजिक न्याय शब्द सही मायने में पेरियार के आंदोलन से ही उभरा था। सनातन धर्म को लेकर जारी विवाद के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा है कि सनातन धर्म शास्वत कर्त्तव्यों का समूह है जिसमें देश के प्रति कर्त्तव्य, राजा का कर्त्तव्य, राजा के जनता के घ्रति कर्त्तव्य, माता–पिता और गुरुओं के प्रति कर्त्तव्य और गरीबों की देखभाल और कई अन्य कर्त्तव्य हैं। कोर्ट ने कहा कि जब धर्म को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि श्ऐसा मान लिया गया है कि सनातन धर्म सिर्फ जातिवाद और छुआछूत को बढ़ावा देता है। जिस देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले हुए हैं, वहां छुआछूत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। संविधान में छुआछूत को समाप्त किया गया है और यह लोगों का मौलिक अधिकार है।हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता एलानगोवन के तर्कों का हवाला देते हुए कहा कि सनातन धर्म में कहीं भी छुआछूत का जिक्र नहीं है और ना ही यह इसका समर्थन करता है और हिंदू धर्म में सभी को समान माना जाता है लेकिन समय के साथ जब धार्मिक कर्मकांड आगे बढ़ते हैं तो उसमें कुछ बुराइयां आ जाती हैं और यह फसल में उगी खरपतवार जैसी हैं लेकिन इन बुराइयों को खत्म करने के लिए पूरी फसल को क्यों काटना चाहिए?हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। जो कुछ भी चल रहा है उस पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायालय इस पर अपने विचार व्यक्त करने से खुद को रोक नहीं सकता। सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है और इस पर नई पीढ़ी को भी विचार करना चाहिए। हम को सब समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने के लिए संकल्प लेकर चलना होगा ताकि उन बुराइयों का उन्मूलन किया जा सके और सामाजिक न्याय का सपना साकार हो सके। वोट बैंक के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए अच्छा नहीं होता।

संक्षिप्त खबरें

मुलायम ने तेरह वर्ष पहले की थी महिला आरक्षण बिल की खिलाफत

लखनऊ(संवाददाता)। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का मुद्दा 2010 में संसद में उठा था। उस समय देश में कांग्रेस की सरकार थी। राज्यसभा से महिला आरक्षण बिल पास हो गया लेकिन लोकसभा में अटक गया था। उस वक्त बिल का समाजवादी पार्टी जैसी पिछड़ों की राजनीति करने वाली पार्टियों ने विरोध किया था। पार्टियों ने कहा था कि महिला आरक्षण का लाभ दलित, ओबीसी, आदिवासी महिलाओं को भी मिले इसके लिए उनका एक हिस्सा 15–16 फीसदी फिक्स होना चाहिए। एक बार फिर से वही आरक्षण के अंदर आरक्षण का मुद्दा उठ रहा है।संसद में बोलते हुए मुलायम सिंह ने सोनिया गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा था, श्आप तो चेयरपर्सन हैं, वो पहले से बनी हैं, मुझसे भी पहले से रही हैं। समाज को जोड़कर चलेंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा। सद्भावना बढ़ेगी। लेकिन जो आगे निकल गए उन्हीं को आगे बढ़ाने की बात हो रही है। जो पीछे रह गए, उन्हें पीछे धकेलने की बात हो रही है। दलित, पिछड़ा, मुसलमानों की महिलाओं को आरक्षण दीजिए। सब मिलकर समाज में चलें। विषमता को खत्म किए बिना लोकतंत्र मजबूत नहीं होगा। देश की आजादी में गरीब–मजदूर सभी एक हो गए थे। ये आरक्षण किस महिलाओं का हो रहा है? हम महिला आरक्षण के विरोधी नहीं है, लेकिन जिस तरह से कानून आ रहा , उसमें संशोधन करिए। 2019 के लोकसभा चुनाव में 82 महिलाएं चुनाव जीतकर संसद पहुंची थीं। लोकसभा में 538 सीटें हैं। महिलाओं की भागीदारी 15.2 फीसदी रही। राज्यसभा के 238 निर्वाचित सांसदों में 33 महिलाएं हैं। उच्च सदन में महिलाओं की भागीदारी 13.9 फीसदी है।

महिलाओं को मिलेंगी यूपी में लोकसभा की 26, विधानसभा की 132 सीटें

लखनऊ पार्लियामेंट से महिला आरक्षण विधेयक पास होने पर यूपी में महिलाओं को बड़ा लाभ मिलेगा। भागीदारी बढ़ जायेगी।उत्तर प्रदेश की 26 लोकसभा और 132 विधानसभा सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। आजादी के 75 साल बाद भी आधी आबादी को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल सका है। वर्तमान में यूपी विधानसभा के 403 सदस्यों में 48 महिलाएं हैं,यानि निचले सदन में उनकी भागीदारी महज 12 फीसदी है, जो उनकी जनसंख्या के अनुपात के लिहाज से बहुत कम है। उच्च सदन यानि विधान परिषद में तो उनकी भागीदारी मात्र 6 फीसदी है। यूपी में लोकसभा की 80 सीटें हैं, जिनमें से 11ही महिला सांसद हैं। यूपी से लोकसभा सीटों में उनका प्रतिनिधित्व देश में औसत 15 फीसदी से कम है। यूपी की कुल लोकसभा सीटों में 14 फीसदी ही महिलाओं के हिस्से में हैं।

27 सालों से अटका है महिला आरक्षण बिल

लखनऊ पिछले 27 सालों से महिला आरक्षण बिल अटका हुआ है। सबसे पहले 1996 में देवेगौड़ा की सरकार इसे लाई थी, फिर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के वक्त 1998,1999 और 2002 में महिला आरक्षण का बिल लाया गया था। बता दें कि 1998 में तो लालू यादव की पार्टी ने बिल की कॉपी आडवाणी के हाथ से छीन कर फाड़ दी थी और बिल पेश करने का विरोध किया था। इसके बाद डॉक्टर मनमोहन सिंह की सरकार ने 2008 में इसे राज्यसभा में पेश किया। उस वक्त बिल को ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी में भेज दिया गया, फिर इस बिल को 2010 में राज्यसभा ने पारित कर दिया लेकिन इस बिल को लोकसभा में पेश नहीं किया गया, तब से बिल लटका पड़ा है।

पत्रकारों के हित रक्षण को समर्पित है सूचना विभाग

लखनऊ(संवाददाता)। सूचना निदेशक शिशिर कुमार ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय बिना किसी भेदभाव के यूपी के समाचार पत्र पत्रिकाओं एवं पत्रकारों के हित रक्षण के प्रति समर्पित है। सूचना निदेशालय में उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के एक प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात के दौरान पत्रकारों की समस्याओं पर बोलते हुए श्री शिशिर ने उक्त बातें कहीं। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजेश त्रिवेदी, महामंत्री रमेश शंकर पांडेय, रविंद्र सिंह, लक्ष्मीकांत पाठक, चंद्रदेव अवस्थी, कृष्णा तिवारी, रवि सिंह, अली हसन, चंद्रप्रकाश चौरसिया, राकेश सिंह, संदीप कश्यप, केशव कुमार पांडेय, अनुराग शुक्ल, कोमल पत्रकार, रूबा खान, निधि मिश्रा आदि विभिन्न जिलों के पत्रकार शामिल थे।

महिला आरक्षण बिल पर मायावती का बयान, 33 की जगह 50 प्रतिशत हो आरक्षण

लखनऊ(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि केंद्र सरकार महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभा में 33 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण देने के लिए संसद में बिल लाने जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की संख्या देखते हुए आरक्षण का प्रतिशत 33 नहीं बल्कि 50 होना चाहिए। साथ ही एससी, एसटी,ओबीसी कोटा भी सुनिश्चित होना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें उम्मीद है कि चर्चा के बाद इस बार बिल पास हो जाएगा, क्योंकि यह काफी समय से लंबित था। उन्होंने बताया कि मैंने संसद में अपनी पार्टी की ओर से कहा था कि महिलाओं की आबादी को ध्यान में रखते हुए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को

प्रस्तावित 33 की बजाय 50 प्रतिशत आरक्षण मिले। मायावती ने कहा कि हम पहले से ही इस विधेयक के समर्थन में हैं। महिला आरक्षण बिल को जातिवादी पार्टियां आगे बढ़ते नहीं देखना चाहती हैं। इन वर्गों की महिलाओं को अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसा नहीं होता है तो हम ये मान कर चलेंगे कि ये कांग्रेस की तरह इन्हें हाशिये पर रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सीटें बढ़ाई जाएं तो किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि सरकार इस बारे में सोचेगी। पुराने संसद भवन से विदाई हो चुकी है। इसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकता है। मुझे संसद के दोनों सदनों में जाने का मौका मिला, जो मेरे लिए सौभाग्य की बात है। नए संसद की शुरूआत आज से की जा रही है जिसका बसपा दिल से स्वागत करती है।

लखनऊ में डेंगू के मिले 18 नए मरीज

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में डेंगू के मिले 18 नए मरीज, पिछले 10 दिनों से रोजाना 20 से 25 मरीज मिल रहे थे पॉजिटिव, अलीगंज में डेंगू के सबसे अधिक चार मरीज मिले, चंदरनगर, टूड़ियागंज और सिल्वर जुबली इलाके में 3– 3 मरीजों में डेंगू की हुई पुष्टि, इंदिरा नगर और सरोजनी नगर में 2–2 मरीज मिले, विभिन्न इलाकों में 1306 घरों में मच्छरों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए किया गया सर्वे, 15 घरों में मच्छर पनपना की स्थिति पाए जाने पर जारी किया गया नोटिस।

बीएसपी इंडिया की हमराह बन बदल सकती 24 की तस्वीर

प्रियंका और मायावती की मुलाकात खिलायेगी गुल

लखनऊ(संवाददाता)। ज्यों ज्यों बीत रहा 2023 त्यों त्यों एनडीए बनाम इंडिया का सियासी रंग चटक हो रहा है। 2023 जाते जाते मिशन 2024 की पटकथा तैयार हो जायेगी, ऐसा मौजूदा हालात इशारा कर रहे हैं।अगला पार्लियामेंट्री चुनाव बहुकोणीय होने की उम्मीद कम है।एनडीए में जहाँ सहयोगी दलों की भरमार है तो नवसृजित गठबंधन श्इंडियाश में भी दलीय संख्या में इजाफा हो रहा है।अभी हाल में हुई बैठक कम खास नहीं रही। ताकत बढ़ाने में लगे हैं विपक्षी दल। देश की राजनीति की उत्तर प्रदेश हमेशा से दिशा तय करता आ रहा है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भी करेगा। यह बात सत्तारूढ़ एनडीए की सरकार को भी पता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी नजरिए से यूपी को सर्वाधिक तवज्जो देते आ रहे हैं। न यूपी आने में देरी करते हैं न यूपी खातिर योजनाओं और बजट देने में देर लगाते हैं। वे खुद उत्तर प्रदेश की वाराणसी सीट से दो बार दिल्ली पहुँचे हैं। तीसरी बार फिर इरादा यही से दिल्ली जाने का है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटें दिल्ली की सल्तनत में निर्णायक भूमिका में होती हैं। यूपी ने जिसका झंडा बुलंद किया, उसी के हाथ में बागडोर आती है। उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी इंडिया का प्रमुख हिस्सा है। कांग्रेस, आप, राष्ट्रीय लोकदल ,अपना दल कमेरावादी,जद यू, राजद समेत कई छोटे बड़े दल शामिल है। चन्द्रशेखर रावण भी इंडिया के साथ ही है। उत्तर प्रदेश में अपनी खास पहचान रखने वाली बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती का समाजवादी पार्टी के प्रति साफ्ट कार्नर नही है, इसका फायदा बीजेपी उठाने में चूकती नही है। हालांकि घोसी में हुए उपचुनाव में बीएससी के परम्परागत वोट बैंक में सेंध लगाने में सपा कामयाब हो गई। अब जनता जागरूक है, मतदान किसी के बहकावे और दबाव में डाले जाने की प्रथा अब समाप्ति की ओर है। कांग्रेस का बीएसपी के प्रति हमेशा झुकाव रहता आ रहा है। कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी में जोडने की कूबत है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। सपा की डिंपल यादव हो या फिर बसपा की मायावती, प्रियंका की खिलाफत नही करती। विपक्षी समावेशी गठबंधन श्इंडियाश में बसपा को लाने के प्रयास जारी हैं। पांच राज्यों के चुनाव के बाद इसका रिजल्ट सामने आ सकता है। कांग्रेस सूत्रधार होगी, बातचीत भी होती रहती है। लोकसभा चुनाव में जीत के लिए इंडिया गठबंधन कसर नहीं छोड़ेगा। बसपा को साथ लाने की कोशिश का मकसद यही है। असेम्बली इलेक्शन से पहले कांग्रेस और बसपा के के बीच बातचीत शुरू हुई थी,नतीजा भले तब न निकला लेकिन अब निकलने के आसार प्रबल हैं। सूत्रों की माने तो प्रियंका गांधी और मायावती की मुलाकात हो चुकी है। विधानसभा चुनाव में ही रंग दिख गया होता मगर बात बनते बनते रह गई थीं। राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से कहा भी था कि हम बसपा को आगे रखकर यूपी में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। अब लोकसभा चुनाव के ऐलान का शायद इंतजार हो। इंडिया में बसपा के आने से सपा सहज रहेगी या नही,यह जरूर पेंच फंस सकता है। कांग्रेस की रुचि बसपा को साथ लेने में है। वजह बसपा का 10 से 12 फीसदी सालिड वोट बैंक है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का बागेश्वर सीट को लेकर सपा के खिलाफ बयान भी इसी का हिस्सा हो सकता है। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने की बात सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कहते रहे, लेकिन कम दी थी। सियासी समीकरण चाहे जो भी बने ,राहुल और अखिलेश के सम्बंध मित्रवत हैं। बीएसपी के साथ मिलकर भी चुनाव लड़ चुके हैं। राजनीति में कब को कौन किस गोल में आ जाये, कह पाना आसान नहीं है। खैर क्या होगा, भविष्य के गर्भ में है। उम्मीद पर दुनिया कायम है। अगर बीएसपी और सपा दोनों इंडिया का हिस्सा बने तो जंग कांटे की जरूर होगी।

यूपी के कई इलाकों में आज होगी भारी बारिश, अगले 4 दिनों तक सिलसिला रहेगा जारी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पिछले सप्ताह भारी बारिश हुई। इसके बाद बारिश का सिलसिला कम हो गया और भीषण गर्मी से लोगों का बुरा हाल हो गया। इसी बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर प्रदेश में बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग के मुताबिक आज 20 सितंबर को एक या दो स्थानों पर हल्की और कुछ जगहों पर आकाशीय चमक के साथ भारी बारिश होगी। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक आज राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। पूर्वी यूपी में एक या दो स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ आकाशीय चमक होने की संभावना है। पश्चिमी यूपी में आज का मौसम शुष्क ही रहेगा। वहीं 21 सितंबर से पश्चिमी यूपी मेंकुछ स्थानों पर और पूर्वी यूपी में कुछ स्थानों पर बारिश गरज के साथ बारिश होगी। बता दें कि पिछले कुछ

दिनों से हुई बारिश से लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसके किसानों की फसलों का भी भारी नुकसान हुआ। बारिश से धान के किसानों की कमर टूट गई है। वहीं सब्जियों की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। बारिश के चलते जगह–जगह जलभराव हो गया। इस अतिवृष्टि से धान, ज्वार, मक्का व सब्जियों की खेती को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, तो वहीं बारिश से जिले में नदियां उफान पर हैं। तमाम खेतों में अभी भी फसलें डूबी हुई हैं, जिससे अब फसलें सड़ने लगी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के रामपुर, बरेली, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, देवरिया, बलिया, गोंडा, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी, चित्रकूट, बांदा, प्रयागराज, संत रविदास नगर, मिर्जापुर, जौनपुर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी और गाजीपुर में बारिश होने की संभावना है।

महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए, नारी शक्ति वंदन विधेयक पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ(संवाददाता)। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किए जाने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना

चाहिए। सपा प्रमुख यादव ने ट्वीट कर कहा कि, महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। इसमें पिछड़े,दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (पीडीए) की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए।" इससे पहले सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, ''जहां तक इस (महिला आरक्षण) विधेयक का सवाल है, हमारा रुख यह है कि इस विधेयक के तहत पिछड़ों को कितना आरक्षण मिलेगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा जब यह विधेयक पेश किया गया था तो हमने इसका विरोध किया था। आज जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे ला रही है, तो हम (उनसे) पूरी तरह सहमत नहीं हैं। चौधरी ने कहा, ''हम महिलाओं के साथ न्याय चाहते हैं और उनके लिए आरक्षण भी चाहते हैं। लेकिन पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों के लिए कितना आरक्षण होगा? उन्होंने यह भी कहा कि विधेयक में यह बताया जाना चाहिए कि अन्य पिछड़ी जाति, दलित, अल्पसंख्यक और अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति (एससी–एसटी) समुदाय की महिलाओं को दिए जाने वाले आरक्षण का कोटा क्या होगा? चौधरी ने यह भी बताया कि इस संबंध में फैसला दिल्ली में लिया जाएगा, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव और डिंपल यादव दिल्ली में हैं। वर्ष 2009 में सपा के तत्कालीन अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने (प्रस्तावित) महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हुए इसे ''कठिन संघर्षों के माध्यम से लोकसभा तक पहुंचने वाले नेताओं के खिलाफ एक ''साजिश करार दिया था। उस वक्त सपा कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को बाहर से समर्थन दे रही थी। सिंह के बयान के समर्थन में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के तत्कालीन नेता शरद यादव ने तर्क दिया था कि अगर विधेयक आम सहमति के बिना पारित किया गया तो यह ''जबरन जहर देने के समान होगा। केंद्र सरकार ने संसद के निचले सदन, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने से संबंधित ऐतिहासिक 'नारीशक्ति वंदन विधेयक को मंगलवार को लोकसभा में पेश कर दिया। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विपक्ष के शोर–शराबे के बीच 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया। इस विधेयक को पूरक सूची के माध्यम से सूचीबद्ध किया गया था। नए संसद भवन में पेश होने वाला यह पहला विधेयक है।

मूर्ति स्थापना के साथ गणेश महोत्सव शुरु, आज चढेगा बप्पा को गजरा

लखनऊ(संवाददाता)। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से 18वां श्री गणेश महोत्सव मंगलवार को झूलेलाल वाटिका पर शुरु हुआ। कार्यक्रम की शुआत प्रातः 9 बजे विधिविधान से ''मनौतियों के राजा'' की मूर्ति स्थापना, श्रंगार एवं पूजन के साथ हुई। आचार्यो ने मंत्रों के साथ मूर्ति स्थापना कराई। पूजा संस्था के अखिलेश बंसल ने परिवार के साथ की। मूर्ति स्थापना में कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता, अध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, महामंत्री सतीश अग्रवाल, पार्षद रंजीत सिंह, देशराज अग्रवाल, जयकरण सिंह, संजय सिंह गांधी, शरद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, अखिलेश बंसल, अजय अग्रवाल, अतुल बंसल, नीलेश अग्रवाल टाटा, रामशंकर वर्मा, नरेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल मौजूद रहे। मूर्ति स्थापना के समय पंडाल गणपति बप्पा मोरिया के जयघोष से गूंज रहा था। शाम को बप्पा के दरबार में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

संयुक्तमोर्चा ने पीएम को लिख की रोजगार अधिकार विधेयक लाने की अपील

लखनऊ(संवाददाता)। संसद के चल विशेष सत्र में रोजगार अधिकार विधेयक लाने की अपील संयुक्त युवा मोर्चा ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की है। देश भर एक करोड़ रिक्त पदों को तत्काल भरने और आउटसोर्सिंग पर रोक लगाने का भी मुद्दा उठाया गया है। संयुक्त युवा मोर्चा के केंद्रीय टीम सदस्य राजेश सचान द्वारा ईमेल व एक्स के माध्यम से प्रेषित पत्र में कहा गया है कि अनुच्छेद 21 एवं नीति निदेशक तत्वों के अनुच्छेद 39 व 41 की व्याख्या में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों कोरोजगार की जवाबदेही राज्य की है। संसद के चल रहे विशेष सत्र में रोजगार संकट पर चर्चा करने और इसे हल करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। पत्र में मांग की गई है कि रोजगार सृजन हेतु वित्तीय उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कारपोरेट्स पर संपत्ति व उत्तराधिकार कर लगाया जाए। संयुक्त युवा मोर्चा द्वारा जारी वक्तव्य में सवाल किया गया कि पीएम मोदी अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करते हैं तब आजीविका संकट गहराता क्यों जा रहा है । कारपोरेट के लूट व मुनाफा पर आधारित आर्थिक नीतियों में बदलाव के बिना रोजगार का सवाल हल करना मुमकिन नहीं है।

सद्ज्ञान व्यक्तिको नर से नारायन बना सकता है : उमानंद शर्मा

लखनऊ(संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत''सिटी इंटरनेशनल स्कूल एवर ग्रीन कैम्पस देवां रोड लखनऊ'' के पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 395वाँ ऋषि वांड्मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकत्री सावित्री शर्मा ने अपने पूर्वजों की स्मृति में भेंट किया। उमानंद शर्मा ने छात्र–छात्राओं एवं संकाय सदस्यों को अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि 'सद्ज्ञान व्यक्ति को नर से नारायन बना सकता है, वी.के. श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे तथा संस्था की उपप्रधानाचार्या कुसुम श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त किया। इस अवसर पर उमानंद शर्मा, वी.के. श्रीवास्तव, शिवम, बृजेश तथा संस्था की प्रधानाचार्या रेनू बक्शी, प्रबन्धक पी.के. सिंह, उपप्रधानाचार्या कुसुम श्रीवास्तव, शिक्षक धशिक्षिकायें सहित छात्र–छात्रायें, मौजूद थे।

फर्जी अवार्डो और सम्मानों की वसूली की जाती है कीमत

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक ने प्रेस को दिए अपने बयान में कहा है कि शहर में कुछ दिनों से ऐसे लोगों की संख्या कुछ बढ़ गई है जिनकी अवार्ड की भूख ने शहर में कुछ गुलदस्ता गैंगो को बढ़ावा दे रखा है। गुलदस्ता गैंग अवार्ड के भूखे लोगों को पैसा लेकर अवार्ड व सम्मान देते हैं। जिसमें शहर की एक नामी खानदानी व ट्रैवल कंपनी के मालिक और एक अंजुमन के मेम्बर को अवार्ड की बहुत भूख है। गुलदस्ता गैंग के लोग उच्च–अधिकारियों और ऊंचे पदों पर बैठे लोगों अमीरों और शिक्षण संस्थानों के जिम्मेदारों आदि को गुलदस्ता देकर उनके साथ फोटो खींचते हैं और उनके साथ अपने संबंध बनाते हैं फिर इन संबंधों की आड़ में इन अधिकारियों और जिम्मेदारों से गलत काम कराते हैं इसके लिए वह अधिकारियों की दलाली व चापलूसी कर अपने चहीतों की उन शिक्षण संस्थानों वह अन्य छोटी–मोटी जगह पर नियुक्ति करवाते है जिसके जिम्मेदारों को गुलदस्ता आदि देकर पुरस्कृत करते हैं। उच्च अधिकारियों और संस्थाओं के जिम्मेदारों को ऐसे गुलदस्ता गैंग से होशियार रहने की जरूरत है इस गैंग के लोग भोले भाले मासूम लोगों से इन अधिकारियों और शिक्षण संस्थानों में नियुक्ति कराने के नाम पर मोटी रकम वसूलते हैं और लोगों का अन्य तरीकों से शोषण भी करते हैं। ऐसे लोगों से उच्च अधिकारियों और ऊंचे पदों पर बैठे लोगों को दूरी बनाकर रखनी चाहिए कभी–कभी गुलदस्ता गैंग के सदस्य इन उच्च अधिकारियों और ऊंचे पदों पर बैठे लोगों की बदनामी का कारण भी बनते हैं। पूर्व में ऐसे लोगों की वजह से बहुत से मंत्री और कुछ अधिकारी जेल भी जा चुके हैं।

सनातन धर्म की रक्षा को लेकर दर्जनों संगठनों ने भरी हुंकार

लखनऊ(संवाददाता)। सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग करते हुये विभिन्न संगठनों ने एक स्वर में हुंकार भरते हुये सनातन भारत मंच की घोषणा की है। अखिल भारत हिन्दू महासभा कार्यालय कुर्सी रोड पर बैठक में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस मंच के माध्यम से सनातन धर्म को लेकर द्वेष की भावना पैदा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के लिये न सिर्फ लड़ाई लड़ी जायेगी बल्कि हिन्दू समाज को सनातन धर्म के प्रति जागरूक करने का काम किया जायेगा। हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के आह्वान पर विभिन्न संगठनों संयुक्त उद्योग व्यापार मण्डल, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद, हिन्दू सेना, राष्ट्र रक्षा वाहिनी, जय बजरंग सेना, जनविकास महासभा, उत्तर प्रदेश, शोभा फाउण्डेशन, भारतीय सर्वजन संगठन, कपूरथला व्यापार संघ, मंगल फाउण्डेशन, भारतीय ब्राहामण एकता फाउण्डेशन, हिन्दू समाज पार्टी, प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मण्डल, बहुजन अवाम पार्टी, हिन्दू जन जागृति समिति, बाबा विष्वनाथ सवलीन ध्यान समिति, संस्कृत संघ, महावीर सेवी संघ, ब्राह्मण परिवार, राधा कृश्ण मन्दिर समिति, सवर्ण महासभा, आजाद भारतीय किसान यूनियन आदि के प्रतिनिधि सम्मिलित हुये। इस मौके पर हिन्दू महासभा। उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि सनातन भारत मंच तैयार होने से सनातन धर्म के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने और प्रतिद्वेशपूर्ण वातावरण फैलाने वालों के खिलाफ न सिर्फ लड़ाई आसान होगी बल्कि सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने में आसानी होगी।

भारत रक्षा दल का स्थापना दिवस समारोह 21 को

लखनऊ(संवाददाता)। भारत रक्षा दल ट्रस्ट के संस्थापक श्रीनिवास राष्ट्रवादी ने बताया कि भारत रक्षा दल का 27 वॉ स्थापना समारोह 21 सितंबर को गांधी भवन के कर्ण भाई सभागार कैसरबाग लखनऊ में प्रातः 10 बजे से मनाया जायेगा। श्री राष्ट्रवादी ने बताया कि कार्यक्रम का प्रारंभ धार्मिक अनुष्ठान श्री गायत्री मंत्रोचार दीप यज्ञ से प्रारंभ होगा।

पीएम आवास योजना व सीएम आवास योजना के लाभार्थियों के खाते में पहुँचे 1118.85 करोड़ : केशव

लखनऊ(संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सभी लाभार्थियों को सभी स्वामित्व प्रमाणपत्र दिया जाएगा। स्वामित्व प्रमाणपत्र के आधार पर भविष्य में लाभार्थी अपने आवास के आधार पर बैंक से ऋण की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में यह घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों के खाते में 1118.85 करोड़ रुपये की राशि आनलाइन भेजी।मुख्यमंत्री आवास योजना के 80 हजार लाभार्थियों के खाते में 323.24 करोड़ रुपये की पहली किस्त और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों के खाते में 795.61 करोड़ रुपये की राशि आनलाइन ट्रांसफर की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में अब तक 38.56 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। उपमुख्यमंत्री ने आवास योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए।इस मौके पर ग्राम्य विकास राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, अपर मुख्य सचिव हिमांशु कुमार, ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी सहित अन्य मौजूद थे।

कर्बला की जमीन पर प्लाटिंग,मजार टूटी देखकर तनावपूर्ण हुआ माहौल, कंपनी का काम रुकवाया गया, भारी फोर्स तैनात

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन की कालपी स्थित कर्बला की जमीन पर एक कंपनी द्वारा प्लाटिंग का काम कराया जा रहा था, जिसकी जानकारी जैसे ही स्थानीय लोगों को हुई वह मौके पर पहुंचे। मजार को टूटा हुआ देखा तो हालात तनावपूर्ण हो गए। इसकी शिकायत स्थानीय लोगों ने पुलिस से की। वहीं, मजार टूटे जाने की जानकारी जैसे ही पुलिस को हुई, स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इसके साथ ही जेसीबी की मदद से काम करने वाली कंपनी के लोगों को रोक दिया। साथ ही दोनों पक्षों को बैठाकर मामले का निष्कर्ष निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। पूरा मामला कालपी कोतवाली क्षेत्र के कर्बला का है। यहां मुस्लिम समुदाय के लोगों की मजार बनी हुई है कर्बला के आसपास की जमीन को एक निजी कंपनी द्वारा खरीदा गया। उस पर कंपनी द्वारा प्लाटिंग का काम कराया जा रहा है। इस ऊबड़-खाबड़ जमीन को समतल बनाने के लिये जेसीबी द्वारा काम कराया जा रहा है। इसी दौरान कर्बला की जमीन पर बनी मजार जेसीबी के कारण उखड़ गई। जैसे ही इसकी जानकारी मुस्लिम समुदाय के लोगों को हुई वह मौके पर पहुंचे और उन्होंने इसका विरोध करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके साथ ही काम करने वाले कंपनी की जेसीबी को रोक दिया। वहीं मजार तोड़े जाने और स्थानीय लोगों द्वारा विरोध किए जाने की जानकारी जैसे ही कालपी कोतवाली पुलिस को मिली तो सीओ कालपी डॉक्टर देवेंद्र पचौरी, कोतवाल शिव कुमार राठौर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। हालात तनावपूर्ण देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ बैठते हुए बातचीत कर हल निकालने का प्रयास किया। वहीं, कालपी सीओ डॉक्टर देवेंद्र पचौरी का कहना है कि जिस कंपनी द्वारा काम कराया जा रहा था उस कंपनी की जेसीबी के कारण कुछ मजार टूटी है इसीलिए इस काम को रुकवा दिया है। इसके साथ ही कोई नया काम न करने के लिए कहा है। वहीं, दोनों पक्षों को एसडीएम के समक्ष इस मामले में समन्वय बैठाकर हल निकालने का प्रयास किया जाएगा तब तक काम को रोका गया है। वहीं, मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि इस जगह पर भूमाफिया की नजर थी और वह इस पर कब्जा करना चाहते हैं, लेकिन वह ऐसा होने नहीं देंगे।

गैस रिसाव से घर में लगी आग:पत्नी झुलसी, आग से बचाने पहुंचा पति भी आया चपेट में, झांसी किया गया रेफर

उरई/जालौन,(संवाददाता)। जालौन में रविवार देर रात गैस-सिलेंडर रिसाव के कारण एक घर में आग लग गई। इसकी चपेट

में दंपती आकर बुरी तरह झुलस गये। घर में लगी आग को देखकर अफरा-तफरी मच गई। जहां झुलसी हालत में माता-पिता को देख घर में मौजूद उसकी बेटी ने पड़ोसियों की मदद से आग को बुझाकर तत्काल माता-पिता को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्रथम इलाज करने के बाद हालत नाजुक देख मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया। घटना उरई कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामनगर की है। इस मोहल्ले के रहने वाले राजेंद्र (40) पुत्र भगवान दास के घर में रविवार देर रात गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण उस समय आग लग गई। जब उसकी पत्नी सुशीला (35) खाना बना रही थी। जिससे वह आग की चपेट में आ गई। आग की घटना को देख घर में अफरा-तफरी मच गई। घर में लगी आग को देखकर तत्काल आग बुझाने के लिए उसका पति राजेंद्र भी पहुंचा। मगर आग की चपेट में वह भी आ गया। पति-पत्नी बुरी तरह से आग की चपेट में आकर झुलस गए। जिन्होंने जब शोर मचाया, तब पड़ोस में रहने वाले लोग आग की घटना को देख वह मौके पर पहुंचे। जिन्होंने कड़ी मशक्कत करने के बाद आग को बुझाया। बेटी ज्योति की मदद से दोनों लोगों को इलाज के लिए उरई जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने नाजुक हालत देखते हुए मेडिकल कॉलेज झांसी के लिए रेफर कर दिया। जहां उनकी हालात नाजुक बताई जा रही है। वहीं पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है, कि आग कैसे लगी है।

नशेबाजी में भाई की हत्या,दोनों एकसाथ पी रहे थे शराब, आरोपी भाई को पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के गाजीपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात नशेबाजी में भाई ने अपने ही भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के वक्त दोनों शराब पी रहे थे और किसी बात पर विवाद होने के बाद एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी देने लगे। इसी-बीच छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। गाजीपुर पुलिस के मुताबिक, रविवार रात 2 बजे के करीब कंट्रोल रूम पर गाजीपुर गांव में चाकू मारे जाने की सूचना मिली थी। जांच में सामने आया कि सुनील कुमार चौधरी (34) को उसके छोटे भाई संदीप ने चाकू मार दिया। उसकी चीख-पुकार सुनकर बड़े भाई सतीश उसको राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने सुनील को मृत घोषित कर दिया। संदीप को घटना में प्रयुक्त चाकू समेत पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की गई। संदीप ने बताया कि दोनों शराब पी रहे थे। सुनील ने चाकू से उसको मारने की धमकी दी। जिसके बाद विवाद बढ़ता गया। उसके हमलावर होने पर चाकू छीनकर उसको ही मार दिया। यह दोनों दुकानों पर काम करके अपना खर्च चलाते थे।

अलीगंज के राजा अब नये स्थान पर, उत्सव आज से

लखनऊ,(संवाददाता)। गणेश पूजा कल्याण समिति की ओर से तीन दिवसीय अलीगंज का राजा का गणेश उत्सव इस बार से नये स्थान चन्द्रशेखर पार्क चांदगंज गार्डेन अलीगंज में 19 सितंबर से 21 सितम्बर तक होगा। संरक्षक राजकुमार सिंघल, महामंत्री डा. संदीप अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल ने बताया कि इस बार अखण्ड भारत मेरी माटी मेरा देश की थीम पर महोत्सव होगा। उत्सव के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालु गजानन के नाम चिठ्ठी दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक लिख सकते है। महामंत्री डा. संदीप अग्रवाल ने बताया कि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, सुंदरकांड व फूलों की होली, डांडिया के आयोजन होंगे। संगठन मंत्री मनोज मिश्रा, शरद तिवारी, अजय यादव ने बताया कि विगत 11 सालों से लगातार आयोजन करते आ रहे हैं। मीडिया प्रभारी मनीष गुप्ता ने बताया कि 19 को प्रातः 9 बजे मूर्तिस्थापना के बाद शाम 5 बजे सुन्दरकाण्ड पाठ होगा। उसके बाद हनुमान जी झांकी प्रस्तुत की जाएगी। 20 को भजन गायक विष्णु तिवारी फूलों की होली, एवं डांडिया का कार्यक्रम शाम 7 बजे होगा। उन्होंने बताया कि 21 सितम्बर को दोपहर 2 बजे विसर्जन शोभा यात्रा शुरु होगी।

पत्नी को मैसेज भेज पति ने लगाई फांसी,सदमे में पत्नी ने भी कर ली आत्महत्या

बहराइच,(संवाददाता)। जिले में पति ने अपनी पत्नी को घरेलू कलह का मैसेज भेजकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पति के मौत की सूचना पर पत्नी भी सदमे में मायके

में फांसी लगा ली। दंपति की मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। वहीं पति द्वारा भेजा गया मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पयागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोहरियांवा निवासी बजरंगी पुत्र हरिशंकर उर्फ नानबाबू का विवाह तीन वर्ष पूर्व विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भागीरथपुरवा निवासी कविता पुत्री उमेश के साथ हुआ था। इसी वर्ष मार्च माह में गौना हुआ था। इस समय पत्नी अपने मायके में थी। जबकि पति अपने घर था। बताया जाता है कि बजरंगी (23) ने पत्नी को मैसेज भेज कर परिवार के कलह के बारे में जानकारी दी। इसके बाद उसने घर में ही फांसी लगाकर जान दे दी। पत्नी को यह सूचना मिली तो वह सदमा सहन नहीं कर सकी। मायके में पत्नी कविता ने रात में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह घटना की जानकारी हुई, तो परिवार में हड़कंप मच गया। गांव के लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। कविता के परिवार के लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। थानाध्यक्ष अनुज कुमार त्रिपाठी ने पुलिस टीम को गांव भेज कर जांच पड़ताल कराया है। परिवार के लोगों से बातचीत की जा रही है। थानाध्यक्ष अनुज त्रिपाठी ने बताया कि परिवार की तहरीर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं पयागपुर में युवक के परिवार के लोग शव के पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर रहे हैं। युवक ने आत्महत्या से पूर्व पत्नी के मोबाइल पर मैसेज भेजकर उसने अपने ही परिवार को मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। जोकि मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मौलवी दरबारी गुलामों की बुराई से बचें : अफाक

लखनऊ,(संवाददाता)। राष्ट्रीय समाज संगठन के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अफाक ने अपने बयान में कहा कि टीले वाली मस्जिद को लेकर दिन-ब-दिन अराजकता का माहौल बनता जा रहा है। दोनों भाई टीले वाली मस्जिद को लेकर लड़ते रहते हैं और एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहते हैं, जिसकी पूरी जानकारी शीर्ष प्रबंधन को भी है. फिर भी ये दोनों भाई आपस में झगड़ते हैं और बाद में जनता से मदद की गुहार लगाते हैं। आगे मोहम्मद अफाक ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से दोनों भाइयों के बीच कहा-सुनी हो रही थी, दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे थे कि ये आर.एस.एस का आदमी है. मोहम्मद अफाक ने कहा कि मस्जिद अल्लाह का घर है जो सबके लिए है., इमाम की कोई विरासत नहीं है, लेकिन सरकारों के बार-बार बदलने से लिपिक दरबार के गुलामों पर असर पड़ता है। हर सरकार अपने हिसाब से काम करना चाहती है, ये लोग अपनी मनमानी करते हैं और जनता की भीड़ ईद, बकर ईद और अलविदा नमाज जैसी पवित्र चीज को दिखाकर कहती है कि ये जनता हमारी है. नेता, मंत्री, झूठ बोलकर हिंदू भाइयों को गुमराह करते हैं, जबकि नमाजी का मतलब केवल नमाज होता है, चाहे वह कहीं भी नमाज पढ़ता हो और उनका उद्देश्य अल्लाह की रजा मंदी है, न कि इमामों की रजा मंदी। अंत में मुहम्मद अफाक ने कहा कि कोई भी कहीं भी जुमे की नमाज पढ़े अगर कोई मौलवी आपको टीले वाली मस्जिद से जुड़ी किसी जगह जाने को कहे तो वहां न जाएं क्योंकि शाशन पर्शाशन सब पर नजर रख रही है।

स्कूली बस ने बाइक में मारी टक्कर,अधेड़ की मौत

बांदा,(संवाददाता)। जिले में एक स्कूली बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जैसे स्थानीय लोगों ने देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों को जैसे यह खबर लगी तो उनका रो-रो कर बुरा हाल है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा जनपद के खपटिहा कला का है। जहां के निवासी ओम प्रकाश विश्वकर्मा पुत्र गणेश आज सुबह किसी काम से घर से जा रहा था। तभी सुदामा मेमोरियल स्कूल

की बस ने उसे टक्कर मार दी। इसकी वजह से वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने जैसे देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने वृद्ध को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं स्कूली बस ड्राइवर बस को छोड़कर मौके से फरार हो गया। बस में करीब 20 स्कूली बच्चे भी सवार थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की कार्रवाई में जुट गई है। डॉक्टर विनीत सचान ने बताया कि एक ओम प्रकाश नाम का व्यक्ति जिसकी उम्र लगभग 53 साल थी उसे मृत अवस्था में लाया गया था। एक बस ने उसको टक्कर मार दी थी जिसकी वजह से इसकी मौत हो गई।

युवक से मारपीट कर चलती ट्रेन से फेंका,ट्रेन में 4 लुटेरों ने छीने 30 हजार रुपए

बांदा,(संवाददाता)। यूपी के बांदा में ट्रेन में लूटपाट करने की घटनाओं को सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 3 साल मजदूरी कर दिल्ली से लौटे एक युवक के साथ चार बदमाशों ने लूटपाट की। जिसके बाद चारों बदमाशों ने युवक के 30 हजार रूपए छीनकर युवक को ट्रेन से बाहर फेंक दिया। घायल को तड़पता देख स्थानीय लोगों ने जीआरपी पुलिस सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया। मामला बांदा के मटौंध थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन का है, जहां पर रेलवे स्टेशन के पास चार लुटेरे बदमाशों ने 3 साल मजदूरी कर दिल्ली से लौट रहे एक युवक को निशाना बनाया और चारों बदमाशों ने ट्रेन में युवक को जमकर मारा पीटा और उसके बाद लूटपाट की है, युवक दिलीप की माने तो बदमाशों ने उसके 30 हजार रुपये छीन लिए और उसे चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया, जब स्थानीय लोगों ने युवक रेलवे ट्रैक पर तड़पता देखा तो तत्काल मामले की जानकारी जीआरपी पुलिस को दी, मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने घायल युवक को बांदा जिला भर्ती कराया, जहां उसका भर्ती करके उपचार किया जा रहा है। डॉक्टर अभिषेक प्रणायामी ने बताया की 28 वर्षीय युवक दिलीप को लाया गया है, जो की बबेरू कोतवाली क्षेत्र के निभौर गांव का रहने वाला है परिजनों ने बताया है की यह दिल्ली से संपर्क क्रांति ट्रेन से बांदा आ रहा था तभी कुछ अज्ञात लोगों ने उससे मारपीट कर ट्रेन से बाहर फेंक दिया, गंभीर अवस्था में उसे पुलिस के द्वारा जिला अस्पताल लाया गया था। भर्ती करके उपचार किया जा रहा है।

चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, तीन लोगों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बहराइच,(संवाददाता)। जिले की नानपारा पुलिस में जिले की 6 चोरियों को अंजाम देने वाले तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के सामान बरामद हुए हैं। पूछताछ में चौका देने वाला खुलासा चोरों ने किया है। पुलिस के मुताबिक चोर कसीनो में अपना शौक पूरा करने के लिए जिले में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने तीनों चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। कोतवाली नानपारा क्षेत्र में बीते दो सप्ताह से चोरियों की वारदात काफी बढ़ गई थी। पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने कोतवाली की पुलिस को चोरी का खुलासा करने का निर्देश दिया था। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉक्टर पवित्र मोहन त्रिपाठी ने बताया कि सीओ राहुल पांडेय की निगरानी में कोतवाल हेमंत कुमार गौड़ की टीम ने क्षेत्र के मथुरा नहर पुल के पास से तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह सभी शातिर चोर हैं। क्षेत्र में चोरी करने के बाद सामान नेपाल में बिक्री करते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के पास से इनवर्टर,बैटरी, जनरेटर, लैपटॉप, कट्टा, कारतूस, टीवी और 5200 रुपए नकदी बरामद हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उनकी पहचान कोतवाली नानपारा के गुरगुट्टा गांव निवासी मोहम्मद उमर उर्फ राजू पुत्र अच्छे मियां, पचपेड़वा गांव निवासी हलीम पुत्र नूर मोहम्मद और जावेद पुत्र चुन्नू का के रूप में हुई है। एसपी ने बताया कि सभी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

जबकि बरामद को चीज कर दिया गया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में हुई 6 चोरियां की घटना का खुलासा कर दिया गया है। कोतवाल हेमंत कुमार गौड़ ने बताया कि सभी शातिर चोर हैं।

नेपाल में चोरी का सामान बिक्री कर देते थे। एएसपी ने बताया कि पकड़े गए चोरों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद नेपाल में सामान को बेचते थे। उसके बाद कसीनो में अपना शौक पूरा करते थे। एएसपी ने बताया कि पकड़े गए तीनों चोरों में से दो चोर पहले भी जेल जा चुके हैं।

इंडियन स्वच्छता लीग में हुई साइक्लाथान, रुई-साइकिल चलाकर प्रदूषण के प्रति किया जागरुक

नोएडा,(संवाददाता)। इंडियन स्वच्छता लीग के तहत सेक्टर-21-ए स्थित नोएडा स्टेडियम में नोएडा प्राधिकरण की तरफ से साइक्लाथान का

आयोजन किया गया। साइकिल रैली में ई-साइकिल चलाई गई। इसके जरिए ई-साइकिल चलाकर स्वच्छता का संदेश देने के साथ डीजल एवं पेट्रोल वाहनों से होने वाले प्रदूषण एवं ई-साइकिल से पर्यावरण को होने वाले फायदों के विषय में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के डीजीएम एसपी सिंह, परियोजना अभियंता विजय रावल, गौरव बंसल, शामिल हुए रहे। साथ ही नोएडा नाइट्स टीम कप्तान आरजे गिन्नी, चौलेंजर्स ग्रुप से प्रिंस गुप्ता, गाइडेड फार्च्यून समिति सदस्य एवं भारी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। इंडियन स्वच्छता लीग कार्यक्रम के अंतर्गत नोएडा के विभिन्न स्कूल में छात्र-छात्राओं के मध्य ष्वेस्ट टू आर्ट कंप्टीशनष कराया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं द्वारा पुराने अखबार, टूटे खिलौने आदि जैसी चीजों से पेंटिंग व खिलौने आदि बनाए गए। प्रतियोगिता के विजेताओं को जन स्वास्थ्य विभाग उप महाप्रबंधक एसपी सिंह द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसपी सिंह ने लोगों को बताया गया कि नोएडा प्राधिकरण स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रतिभाग कर रहा है। विगत कुछ वर्षों में नोएडा ने बेस्ट सस्टेनेबल सिटी, गार्बेज फ्री शहरों की रैंकिंग में फाइव स्टार रैंकिंग जैसी कई उपलब्धियां हासिल की हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में नोएडा को पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए लोगों से सहयोग करने की अपील की। आरजे गिन्नी ने सफाई कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करने के साथ सीवर की सफाई करने वाले सफाई मित्रों का अभिवादन किया। उन्होंने अनुरोध किया कि सफाई कार्य करते समय आवश्यक सावधानी बरतें व व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करें। ग्राम सदरपुर स्थित जल निकाय पर एक्वा रिवाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सदरपुर के जल निकाय का कायाकल्प किया गया।

प्राइवेट बस ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौत

बांदा,(संवाददाता)। कमासिन थाना क्षेत्र में देर शाम एक बाइक सवार युवक को प्राइवेट बस ने कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक में सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुमेढ़ा सानी निवासी मुन्ना विश्वकर्मा (40) अपने साथी ननकवा यादव (38) के साथ बाइक से घर जा रहा था। पावर हाउस के पास उसकी बाइक बस की चपेट में आ गई। बस का पहिया सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसको गंभीर चोट आ गई और मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। उसका साथी भी गंभीर रूप से घायल हो गया। बस चालक और परिचालक मौके से भाग गए।

मेडिकल कॉलेज में बुखार पीड़ितों की भीड़, पीआईसीयू वार्ड फुल

बहराइच,(संवाददाता)। बदलता मौसम जिलेवासियों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। सोमवार को भी मेडिकल कॉलेज में वायरल बुखार के पीड़ितों की भरमार रही। बाल रोगियों से मेडिकल कॉलेज का चिल्ड्रेन व पीआईसीयू वार्ड फुल हो गया। ओपीडी में 18 से 22 सौ मरीजों के पहुंचने के साथ ही लगभग 100 मरीज प्रतिदिन भर्ती भी हो रहे हैं। सबसे अधिक समस्या मिहींपुरवा व बाबागंज इलाके में है। यहां पूरे के पूरे परिवार वायरल की चपेट में हैं। बरसात के मौसम में जगह-जगह जलभराव व गंदगी हो जाती है। लोगों द्वारा साफ-सफाई पर अधिक ध्यान न देने के कारण मच्छरजनित बीमारियां तेजी से पांव पसारने लगती हैं। वर्तमान में भी ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में लोग वायरल की चपेट में आ गए हैं। इससे जिले के 14 सामुदायिक तथा 51 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही निजी चिकित्सकों के यहां बीमारी से पीड़ित बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। सीएचसी पर मरीजों को सभी सेवाएं न मिलने के कारण गरीब तबके के मरीज मेडिकल कॉलेज ही इलाज कराने पहुंचते हैं जिससे मेडिकल कॉलेज में भारी भीड़ इकट्ठा हो जाती है। ओपीडी से लेकर दवा काउंटर, पर्चा काउंटर व पैथालॉजी में मरीजों का तांता लगा रहता है। इसके साथ ही चिल्ड्रेन वार्ड तथा पीआईसीयू वार्ड भी बाल रोगियों से फुल हो गया है। यहां बुखार से पीड़ित बच्चे अधिक भर्ती हैं। वायरल बुखार के बढ़ रहे प्रकोप को लेकर जिले के सभी सीएचसी पर बेड आरक्षित कर दिए गए हैं। यदि कोई डेंगू का मरीज पाया गया, तो तत्काल भर्ती किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी बृजेश सिंह ने बताया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 10-10 बेड आरक्षित किए गए हैं। हालांकि अभी तक कोई डेंगू पीड़ित नहीं पाया गया।

संक्षिप्त खबरें

बेसिक शिक्षा विभागः योजनाओं का गांव-गांव में होगा प्रचार

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से चलाई जा रही योजनाओं का गांव–गांव व जिलों में प्रचार–प्रसार किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि वे अपने यहां 20 प्रमुख स्थानों, बाजार, चौराहे, रेलवे स्टेशन आदि को चिह्नित कर वहां योजनाओं से संबंधित होर्डिंग लगवाना सुनिश्चित करें। बेसिक शिक्षा विभाग अब पोस्टर–बैनर, होर्डिंग्स के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित करेगा ।समग्र शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से होर्डिंग की स्थापना के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिए गए हैं। हर बच्चा स्कूल जाए इसके लिए अब पोस्टर–बैनर, होर्डिंग्स के माध्यम से बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक करेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग इसके लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहा है।

31 अक्टूबर तक परिषदीय विद्यालयों का होगा सघन निरीक्षण

लखनऊ,(संवाददाता)। परिषदीय स्कूलों में 31 अक्तूबर तक सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने सभी बीएसए को भेजे पत्र में लिखा है कि जुलाई–अगस्त में जिला व विकास खंड स्तरीय टास्क फोर्स, बीएसए, जिला समन्वयकों, एआरपी–एसआरजी तथा डायट मेंटर्स ने क्रमश 1,68,776 तथा 1,72,668 विद्यालयों का निरीक्षण किया गया।नियमित निरीक्षण से विद्यालयों में पठन–पाठन की प्रभावी व्यवस्था स्थापित होती है। लिहाजा 31 अक्तूबर तक विद्यालय निरीक्षण अभियान को पूर्ववत जारी रखें।

22 को लखनऊ आयेंगे मोहन भागवत

लखनऊ,(संवाददाता)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 22 सितम्बर को तीन दिनों के लखनऊ दौरे पर जा रहे हैं। वो 22 से 24 सिंतबर तक लखनऊ में रहेंगे। इस दौरान संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर अवध प्रांत के पदाधिकारी और प्रचारकों की बैठक करेंगे। चुनाव से पहले संघ प्रमुख के तीन दिनों के दौरे को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मोहन भागवत के आने के पहले भाजपा और संघ की समन्वय बैठक है जिसमें आरएसएस के साथ मिलकर काम करने की चर्चा होगी। संघ प्रमुख के दौरे को दलितों तक सीधे पहुंचने के संघ के प्रयास के एक बड़े आउटरीच के तौर पर देखा जा रहा है।दलित और आदिवासियों तक संघ की शाखा को पहुंचने की समीक्षा होगी। संघ कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा जोर दलित और आदिवासियों के गांव तक पहुंचने पर होगा । संघ ने अपनी शाखाओं के विस्तार के लिए अब दलित और आदिवासियों के बीच घुमंतू जातियों जिसमें नट और बनटंगिया आदिवासी हैं उन पर अपना फोकस किया है। संघ प्रमुख मोहन भागवत हाल में अखंड भारत को लेकर दिए अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आए थे। 8 सिंतबर को जब एक कार्यक्रम के दौरान भागवत से छात्र ने सवाल किया, हम भारत को अखंड भारत के रूप में कब तक देख लेंगे? छात्र से बातचीत में उन्होंने कह दिया कि आपके बूढ़े होने से पहले अखंड भारत बनते जरूर दिख जाएगा श्क्योंकि परिस्थितियां अब ऐसी करवट ले रही हैं।जो भारत से अलग हुए हैं, उनको लगने लगा है कि गलती हो गई, हमको फिर से भारत होना चाहिए।संघ प्रमुख ने पिछले साल अप्रैल में भी ऐसा ही कहा था।उन्होंने कहा था, 20–25 साल में तो भारत अखंड भारत बन जाएगा, लेकिन कोशिश करेंगे तो 15 साल में भी हो सकता है।

ऊंच-नीच की बात करने वालों को बदलना चाहिए नजरिया

लखनऊ,(संवाददाता)। मुंबई के मराठा मंदिर सिनेमा में फिल्म पंच कृति फाइव एलीमेंट्स की स्क्रीनिंग अव्यवस्थित हो गई, जिससे बॉलीवुड माफिया और फिल्म के निर्माताओं के बीच दरार के बारे में सवाल उठने लगे। एडिटर कोमल मेहता द्वारा जारी फिल्म इनफॉर्मेशन की वेबसाइट पर दी गई प्रतिक्रिया पर आम जनमानस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा की हमें नीचे तबके का कहने का अधिकार किसी को नही है, आज जो लोग नीचे और ऊंचे की बात करते है, उनकी सोच का नजरिया सही नही है ,उन्हे अपना नजरिया बदलना चाहिये। अगर कोई व्यक्ति अपने परिवार की तरह जनता के बीच में है या जनता की मदद करता है तो ऐसे लोगो को अच्छा नही लगता हैं क्योंकि कुछ ऐसे संस्थानों के लिए काम करते है। व्यवधान ने घटना के पीछे के उद्देश्यों के बारे में अटकलें तेज कर दी हैं, कुछ लोगों ने फिल्म को बदनाम करने के संभावित प्रयास का सुझाव दिया है। इस घटना पर चर्चा करने वाले लेख ने मौजूदा बॉलीवुड माफिया और उद्योग में इसके प्रभाव के बारे में अटकलों को और हवा दे दी है। विवाद फिल्म की रिलीज में साजिश जोड़ता है और बॉलीवुड में नियंत्रण और पारदर्शिता के लिए चल रहे संघर्ष को उजागर करता है।

माध्यमिक शिक्षक संघ का जेडी कार्यालय पर धरना 21 को

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशव्यापी संघर्ष के तीसरे चरण में 21 सितम्बर को संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल के कार्यालय पर मध्यान्ह 12 बजे से धरना होगा जिसमें लखनऊ, हरदोई, रायबेरली, सीतापुर, लखीमपुर एवं उन्नाव के शिक्षकों के अलावा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक के अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी पूर्व एमएलसी, ध्रुव कुमार त्रिपाठी एमएलसी नेता शिक्षक दल विशेष रूप से उपस्थित रहेगे। धरने के समापन अवसर पर सायं 03 बजे संयुक्त शिक्षा निदेशक के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली सहित 18 सूत्रीय ज्ञापन मुख्यमंत्री को प्रेषित किया जायेगा। संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा आरपी मिश्र के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन के बाद शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सम्बन्धी धारा 21, प्रधानाचार्यो की तदर्थ पदोन्नति सम्बन्धी धारा 18 और शिक्षकों की पदोन्नति सम्बन्धी धारा 12 समाप्त हो गई है जिससे प्रदेश के शिक्षकों में आक्रोष है। नेताओं ने बताया कि संघर्ष के तीसरे चरण में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिनांक 21 सितम्बर को संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय में आयोजित धरने के पश्चात मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा।

पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर,एक युवक की मौत, एक घायल

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ से हरदोई जाते समय बाइक सवार को अज्ञात पिकअप ने टक्कर मार दी। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गहदो के निकट करेन्द्र मोड पर अनियंत्रित तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों दूर जा गिरे। जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक के पीछे बैठे चचेरे भाई संदीप को हल्की–फुल्की चोट आई। अतरौली थाना क्षेत्र में ढिकुन्नी नया खेड़ा निवासी संजय रविवार शाम बाइक से अपनी बहन को ससुराल माल थाना क्षेत्र के मसीढ़ा रतन गावं से छोड़कर वापस अपने घर जा रहा था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां संजय को डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के परिवार में मां शांति, पत्नी प्रीती है। संजय की एक वर्ष पूर्व शादी हुई थी।

बलरामपुर अस्पताल,फार्मासिस्टों का पटल क्या बदला, करने लगे निदेशक का विरोध

-रास नही आ रहा आदेश,कमाई के चक्कर में विरोध पर उतारु
-तीन वर्ष में स्थानांतरण के आदेश के बाद भी जमे है फार्मासिस्ट

लखनऊ,(अजय मिश्रा)। सरकार की मंशा को साकार कर मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बलरामपुर अस्पताल के निदेशक ने एक ही स्थान पर कई वर्षों से जमे फार्मासिस्टों का पटल परिवर्तन किया तो फार्मासिस्ट अस्पताल निदेशक डॉ . एके सिंह से नाराज हो गए और उनपर तबादला रोकने का नाजायज दबाब बना रहे है। इससे अस्पताल के काम काज में बाधा उत्तपन्न हो रही है। बदले गए फार्मासिस्ट नए पटल पर काम करना नही चाहते क्योंकि जहाँ जमे थे वहां अपने स्वार्थ भी हल कर रहे थे। बतादे की बलरामपुर अस्पताल के निदेशक ने लम्बे समय से जमे सात फार्मासिस्टों की कुर्सियां बदली तो अस्पताल के तमाम फार्मासिस्ट खुश हो गए कि अगले को काम करने का मौका मिलेगा।लेकिन निदेशक के पटल परिवर्तन के आदेश के बाद कुछ फार्मासिस्ट खासा नाराज हो गए कि अब यह लोग निदेशक का विरोध कर रहे है। जबकि निदेशक ने सरकार के तीन वर्ष में तबादला करने के आदेश के तहत ही पटल परिवर्तन किया। पटल परिवर्तन के आदेश से नाराज फार्मासिस्ट निदेशक के खिलाफ मोर्चा खोलने की योजना बना रहे हैं। बलरामपुर चिकित्सालय के निदेशक डॉ .एके सिंह ने पटल परिवर्तन का आदेश करते हुए फार्मासिस्ट निशा तिवारी को एआरवी व टीकाकरण, केके सिंह को काउंटर नम्बर सात, एसएम त्रिपाठी को एनसीडी क्लीनिक, अब्दुर्रहमान को इमरजेंसी, श्रवण कुमार सचान को काउंटर नम्बर एक, रजत यादव को काउंटर नम्बर आठ व विन्द्रा प्रसाद चौधरी को सीएमएसडी की जिम्मेदारी सौंपी है। चिकित्सालय में सालों से एक ही कुर्सी पर जमे कुछ फार्मासिस्टों को पटल परिवर्तन का आदेश रास नहीं आ रहा है। इस नियमित प्रक्रिया के खिलाफ लामबंदी करते हुए कुछ फार्मासिस्ट निदेशक को घेरने की योजना में जुट गए हैं। उनका आरोप है कि पटल परिवर्तन का जो आदेश किया गया वह सरासर गलत है। कर्मचारी बताते हैं कि कुछ फार्मासिस्ट ऐसी कुर्सियों पर जमे थे जहां रहकर वह अवैध कमाई कर रहे थे ।बलरामपुर अस्पताल में पटल परिवर्तन किए गए फार्मासिस्ट खुलेआम सरकार की मंशा पर पानी फेर रहे है।

स्वच्छता ही सेवा-2023 का कृषि उत्पादन आयुक्तने किया शुभारम्भ

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज विभाग मनोज कुमार सिंह ने आज यहां अलीगंज स्थित पंचायतीराज निदेशालय में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत राज्य स्तर पर स्वच्छता ही सेवा–2023 का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का कार्य केवल कुछ दिनों का अभियान न होकर निरन्तर चलने वाला अभियान होना चाहिए। हम जो भी कार्य अभियान के तौर पर करते हैं उसमें अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसीलिए सफाई व स्वच्छता का कार्य भी अभियान की तरह प्रतिदिन चलना चाहिए।कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या के कारण प्लास्टिक,थर्माकोल आदि का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है, जिससे अपशिष्ट एवं कूड़ा–कचरा लगातार बढ़ रहा है जो सिर्फ पर्यावरण ही नहीं हमारे स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ ही बढ़ते अपशिष्ट एवं कूड़े का निस्तारण करना भी महत्वपूर्ण है। गन्दगी न करना हमारी आदत में शामिल होना चाहिए। अपनी आदतों में छोटे–छोटे परिवर्तन करके स्वच्छ परिवेश का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के द्वितीय चरण में ओडीएफ प्लस बनाने हेतु सृजित हो रही परिसम्पत्तियों के संरक्षण रख–रखाव एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। स्वच्छता ही सेवा–2023 की थीम ''कचरा मुक्त भारत'' है। जिसका उद्देश्य दृष्यमान साफ–सफाई और सफाई–मित्रों के कल्याण व समृद्धि से सम्बंधित है।

स्वच्छता एक दिन का कार्यक्रम नहीं है यह सतत चलने वाली प्रक्रिया है। स्वच्छता गतिविधियों की भावना स्वैच्छिकता श्रमदान से है। इस अभियान में ग्रामीणों को प्रेरित कर श्रमदान के माध्यम से ग्रामों की सफाई कराये जाने पर बल दिया गया जिससे ग्रामीणों में स्वच्छता की भावना विकसित हो सके तथा स्वच्छता स्थाई रूप से कायम रहे।एपीसी ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में ग्राम्य विकास, वन एवं पर्यावरण, शिक्षा, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, जल जीवन मिशन, पर्यटन, स्वास्थ्य, कृषि, संस्कृति, समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, सिंचाई एवं जल संसाधन आदि विभागों के कार्यालय की स्वच्छता एवं इन विभागों द्वारा संचालित संस्थाओं में भी साफ–सफाई तथा स्वच्छता के परिसम्पत्तियों की मरम्मत, पेंटिंग, साफ–सफाई का कार्य किया जायेगा, जिसकी प्रगति आख्या फोटोग्राफ सहित सम्बंधित जनपद के जिलाधिकारी के माध्यम से जिला पंचायत राज अधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा। यह रिपोर्ट एसएचएस –2023 पोर्टल पर अपलोड की जायेगी। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभागार में उपस्थित लोगों को स्वच्छ भारत बनाये जाने हेतु शपथ दिलाई।इस अवसर पर राजकुमार, मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ने बताया कि ''स्वच्छता ही सेवा'' के अन्तर्गत ग्रामों में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जायेगी जिसमें–सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरा हटाया जाना, ग्रामों में कूड़ेदान, सामुदायिक शौचालय, अपशिष्ट परिवहन वाहन, आरआरसी आदि सभी स्वच्छता परिसम्पत्तियों की मरम्मत, पेंटिंग, साफ–सफाई एवं ब्रांडिंग किया जाना, नदी तटों विशेषकर गंगा नदी के किनारे स्थित ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में साफ–सफाई कराने और कचरे प्लास्टिक आदि को हटाने हेतु अभियान में सहायता प्रदान करना, अभियान के दौरान श्रमदान का प्रभावी अभिलेखीकरण किया जायेगा। इस कार्यक्रम से ग्रामीणवासी भी प्रेरित होंगे एवं भावी पीढ़ी भी इसका अनुसरण करेगी। विशेष सचिव पंचायती राज बी चन्द्रकला ने कहा कि एक अभियान के रूप में स्वच्छता ही सेवा के भाव से काम करना है जिससे गांव एवं शहर में स्वच्छता की अलख जगा कर स्वच्छता को रोज की दिनचार्या में शामिल करना है, जिससे भारत कचरा मुक्त हो सके। इस संकल्प को सिद्धि तक लेकर जाये तथा नये भारत के निर्माण में भागीदार बने।इस अवसर पर स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 के अन्तर्गत राज्य में उत्कृष्ट काम करने वाले 60 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान, सचिव ग्राम पंचायत, पंचायत सहायक एवं सफाईकर्मी को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

बीजेपी पूर्व पार्षद ने अपशब्द कहे, महिला ने की पिटाई,पुलिस ने कहा-हमें जानकारी नहीं

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ में बीजेपी के पूर्व पार्षद का वीडियो वायरल हुआ। इसमें रोड पर गाड़ी हटाने को लेकर शुरू हुआ विवाद में नेता ने अपशब्द कह दिए। मोबाइल छीनने का प्रयास किया। इसके बाद महिला ने उनकी पिटाई कर दी। पूरे मामले में ठाकुरगंज थाने की पुलिस ने पल्ला झाड़ लिया है। पुलिस ने ऐसे किसी वीडियो की जानकारी से इनकार किया है। दरअसल, पूरा मामला रविवार देर रात का है। वीडियो में दिख रही घटना ठाकुरगंज में हुई थी।

वायरल वीडियो में दिख रही गाड़ी पर भाजपा का झंडा लगा है। जिसमें जो शख्स मौजूद है, उसके लिए वीडियो में लिखा गया है कि ये पूर्व पार्षद अतुल है। वीडियो में गाड़ी हटाने को लेकर बहस होती है। फिर वह गाड़ी से उतरकर मारने के लिए दौड़ता है। इतने में युवक वीडियो बनाने लगाता है। जिसके बाद विवाद और बढ़ जाता है। वह फोन छीनने की कोशिश भी करता है। इसी बीच बीच महिला उनसे मारपीट शुरू कर देती है। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार पुराने लखनऊ के सआदतगंज का है। फिलहाल पुलिस के पास कोई शिकायत नहीं पहुंची है।

40 बीएसए को गलत रिपोर्ट पर चेतावनी,फील्ड सर्वेक्षण में मिला अंतर

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कक्षा एक से लेकर आठ तक के प्राइमरी स्कूलों के बारे में पोर्टल पर अपलोड सूचनाओं से फील्ड सर्वेक्षण की फीडबैक भिन्न मिली है। पोर्टल और फीडबैक के विरोधाभासी रिपोर्ट पर स्कूल महानिदेशालय ने 40 से अधिक बेसिक शिक्षा अधिकारियों को उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है।प्रदेश के 100 आकांक्षात्मक विकासखण्डों की प्रगति की समीक्षा 5 विषयों के तहत 75 इंडीकेटर्स के आधार पर की जाती है।आकांक्षात्मक विकास खण्ड की प्रगति के अनुश्रवण के लिए बनाए गए पोर्टल पर फीड किए गए डाटा एवं यूनिसेफ के द्वारा सर्वेक्षण एवं अनुश्रवण के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट में विरोधाभास है। स्कूल शिक्षा महानिदेशालय ने 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों से जुड़े जिले के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सख्त खिलाफ कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। महानिदेशक ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि आकांक्षात्मक विकास खण्डों का उन्नयन प्रदेश की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इसकी समीक्षा मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जाती है। ऐसे में लापरवाही पूरी तरह से अक्षम्य है।पोर्टल पर फीड होता डाटा प्रदेश के 100 आकांक्षात्मक विकास खण्डों में प्रगति के अनुश्रवण के लिए निर्धारित 75 इंडीकेटर्स का प्रमाणिक डाटा एनआईसी द्वारा बनाए गए पोर्टल पर जिला स्तर पर फीड किया जाता है। निर्देश दिए गए हैं कि जिन विद्यालयों में किसी स्तर पर कमी रह गई है तो उसे तत्काल दुरुस्त कर पोर्टल पर अपलोड किया जाए। मार्च 2023 तक औसतन 97 प्रतिशत विद्यालयों में पूर्ण रूप से क्रियाशील बालिका शौचालयों का उललेख है जबकि यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार बमुश्किल 78 फीसदी बालिका शौचालय ही क्रियाशील है।15 आकांक्षत्मक विकास खण्डों के प्राथमिक विद्यालयों में 50 प्रतिशत से कम विद्यालयों में बालिकाओं के लिए बने शौचालय क्रियाशील पाए गए। पोर्टल पर फीड डाटा के अनुसार मार्च 2023 तक 97 फीसदी विद्यालयों में पेयजल उपलब्ध बताया गया है जबकि यूनीसेफ की रिपोर्ट के अनुसार मात्र 91 प्रतिशत में ही ऐसा पाया गया है।इनमें 12 विकास खण्डों में 70 प्रतिशत से कम विद्यालयों में पेयजल की उपलब्धता है।

फैमिली, फ्रेण्ड्स एवं रिलेटिव काउन्सलिंग के माध्यम से 3292 शिकायतों में पीड़िताओं की हुई काउन्सलिंग

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन द्वारा 01 जनवरी 2023 से 31 अगस्त 2023 तक महिलाओं के प्रति विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न से सम्बन्धित 2,58,079 शिकायतों का निस्तारण कराया गया है। प्रमुख सचिव गृह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090) पर 01 जनवरी 2023 से 31 अगस्त 2023 तक कुल 2,71,793 शिकायतें प्राप्त हुई, इनमें से 89,844 शिकायतें फोन बुलिंग एवं साइबर बुलिंग से संबंधित थीं, जिनमें से 2,58,079 शिकायतों का निस्तारण कराया जा चुका है, अवशेष शिकायतों का भी निस्तारण प्राथमिकता से कराने के कड़े निर्देश दिये है। 1,81,949 शिकायतें अन्य प्रकरणों से संबंधित होने के कारण इन्हें जनपदीय पुलिस, जीआरपी तथा यू0पी0 112 को अंतरित कराया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन (1090), बी0पी0 जोगदण्ड ने बताया कि साइबर उत्पीड़न से सम्बन्धित माह अगस्त तक कुल 38195 शिकायते दर्ज हुई है, जिसमे से 33056 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि 1 जनवरी 2022 से 31 दिसम्बर 2022 तक कुल 6307 शिकायतों में एफ0एफ0आर0 काउन्सलिंग कर पीड़िताओं को राहत पहुचायी गयी है। इसके अलावा वर्ष 2023 के माह अगस्त तक 3292 शिकायतों में एफ0एफ0आर0 काउन्सलिंग की गयी। साथ ही साइबर उत्पीड़न से सम्बन्धित 33056 शिकायतों का निस्तारण भी किया जा चुका है।

जैन धर्म के दशलक्षण पर्व आज से

लखनऊ,(संवाददाता)। दिगम्बर जैन समाज द्वारा दशलक्षण पर्व 19 सितम्बर से प्रारंभ हो रहे हैं। लखनऊ से सभी जैन मंदिरों मे दशलक्षण पर्व को लेकर तैयारी पूरे जोरों शोरों से चल रही है। सभी मंदिर सजाए जा रहे हैं। सभी जैन बंधुओं बड़े ही उत्साह से व्रत उपवास के पर्व के स्वागत मे पलके बिछाए बैठे हैं। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने बताया की इंदिरा नगर जैन मंदिर मे प्रातः 6.30 बजे से भगवान का अभिषेक का कार्यक्रम प्रारंभ होगा एवं विश्व शांति की कामना से शांतिधारा प्रतिदिन की जाएगी। भोपाल से ब्रह्मचारी श्रीपाल जी लखनऊ वाचना हेतु पधारे हुए हैं , दशलक्षण के 10 दिनों तक आपके प्रवचनों का लाभ सभी साधर्मी बंधुओं को प्राप्त होता रहेगा। इस अवसर पर दशलक्षण विधान भी किया जाएगा। जैन धर्म संस्कृति में दस दिनों तक अनवरत मनाया जाने वाला श्वासत पर्व दशलक्षण का शुभारंभ भाद्र शुक्ल पंचमी 19 सितम्बर से होगा।।

किसान महापंचायत में टिकैत बोले, मुफ्त बिजली नहीं दी,

घोषणापत्र झूठे थे या जनता बेवकूफ थी

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत शुरू हो गई है। इसको लेकर भारी संख्या में किसान ईको गार्डन पहुंचे हैं। इस दौरान किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, किसानों की कई मांगे हैं। सरकार ने अपने घोषणापत्र में कहा था कि किसानों को मुफ्त बिजली देंगे। घोषणापत्र झूठा था क्या...। या जनता बेवकूफ थी। आपने बहकाने का काम किया। ये सरकार आमने–सामने बैठकर बात नहीं करती है। जो लिखत–पढ़त में देती है, उस पर काम नहीं करती। टिकैत ने कहा, लोकतंत्र में भीड़ ही एकमात्र साधन है। एमएसपी कानून देश में बनना चाहिए। ये पूरे देश की डिमांड है। वैचारिक क्रांति देश में होगी। पुरानी पेंशन नीति पर काम होना चाहिए। किसानों को फसलों के दाम मिलने चाहिए। क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में किसान यूनियन का कोई राजनीति दखल रहेगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसी हमारी रणनीति नहीं है। ईको गार्डन में हो रहे इस आयोजन में यूं तो किसानों से जुड़े कई मुद्दों को उठाया जा रहा है। लेकिन मुख्य तौर से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और गन्ना किसानों के बकाया का मुद्दा छाया दिख रहा है। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत का आरोप है कि सरकार अपने वादे पूरा नहीं कर सकी है। मुफ्त में बिजली देने के ऐलान पर भी अमल नहीं हो सका है। किसान नेताओं का आरोप है कि एमएसपी गारंटी कानून को लेकर ढुलमुल नीति अपनाई जा रही है। जबकि 2011 में जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उनकी अध्यक्षता में गठित कमेटी ने तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार को रिपोर्ट सौंप कर एमएसपी गारंटी लागू करने की मांग की थी। साल 2024 के आम चुनाव से पहले लखनऊ में हो रहे इस किसान जमावड़े की ओर सत्ता और विपक्ष दोनों ही खेमों की निगाहें टिकी हैं। बता दें कि दो साल पहले 22 नवंबर, 2021 में लखनऊ में संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से किसान महापंचायत बुलाई गई थी। तब एमएसपी की गारंटी देने वाले कानून की मांग जोर–शोर से उठी थी। हालांकि मुख्य मुद्दे के तौर पर छाया रहा था लखीमपुर खीरी हिंसा मामला। उस महापंचायत में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा श्टेनीश की बर्खास्तगी की मांग को किसानों ने बुलंद किया था।

हाथ की सफाई से अपराध जगत में खुद को स्थापित कर,अब बना है बड़ा अंतर्जनपदीय गाँजा माफिया

किसके अभयदान से पॉकेट मार बना अंतरराज्यीय गाँजा माफिया?

नशे के कारोबार में गाँजा तस्कर भाईजान है बड़ा नाम

फतेहपुर(संवाददाता)। जनपद में शातिर तस्कर भाइयों को मात देकर आजकल नम्बर एक गाँजा तस्कर बना है भाई जान। इसके लिए इसने एक चर्चित गैंगस्टर गाँजा माफिया को खाकी से साठगांठ कर जेल भेजवा दिया था,और उसके साम्राज्य पर भी कब्जा कर लिया था। तब से भाईजान को चुनौती देने का साहस जनपद में कोई नही कर पा रहा है। हाथ की सफाई यानि की पॉकेट मारी से अपराध की दुनिया मे कदम रखने वाले इस भाई जान नाम से चर्चित शख्स ने दोआबा के शहर क्षेत्र स्थित पीरनपुर की एक चर्चित सकरी गली को अवैद्ध मादक पदार्थ गाँजा तस्करी का केंद्र बना रखा है। वैसे तो मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री का हब बने दोआबा में कई गैंग सक्रिय है, पर शहर में नशे का बाजार तैयार करने में भाई जान ही नाम चर्चित है। इसके तार अंतरराज्यीय तस्करों से जुड़े है। इसकी पहली पत्नी का एकलौता बेटा गैरप्रांत से गांजा लाने का काम करता रहा है और भाई जान कभी थोक तो कभी गरीब युवक युवतियों के माध्यम से शहर में घुमा–घुमा कर गांजा बिक्री कराता है। हालांकि भाई जान का बेटा एक बार साथियों के साथ गांजे की खेप लाते समय बिहार बॉर्डर में पकड़ा गया था। तब से इसने बेटे को पर्दे के पीछे से काम करने की हिदायत दे रखी है और अपने दामाद जो कि पीरनपुर में ही रहता है को अवैद्ध काम गांजा तस्करी की कमान थमा दी है, और यही दामाद आज उम्र ढलते इस माफिया का दाहिना हाथ बना हुआ है। वहीं लोगों को सट्टा पर दांव लगवा कर लखपति बनाने के सपने दिखाने वाला इसका भाई आज खुद भी गाँजा बिक्री पर हाथ आजमा रहा है। पुलिस के शिकंजा कसने से सट्टा का कारोबार बंद होने के बाद माफिया का भाई भी भाईजान की शरण लिए हुए है। शहर के पीरनपुर का रहने वाला माफिया भाई जान ने आधी उम्र गांजे के कारोबार में गुजार दी है। इसने रसूक और खाकी से गहरी यारी के कारण अवैध कारोबार की बढ़ोत्तरी दिन दूनी रात चौगुनी कर ली है। नतीजन इसके कारोबार का नेटवर्क भी बड़ा और मजबूत हो गया है। ये फिलहाल लगभग एक दर्जन लोगों से अवैद्ध कारोबार को अंजाम दिला रहा है। सूत्र बताते है कि ये गरीब युवक युवतियों से पीरनपुर, अरबपुर, बाल्मिकी बस्ती समेत कई मोहल्लों में घूमा–घूमा कर गांजा बिक्री कराता है। एक दो बार शातिर खाकी की गिरफ्त में पहले आया भी है, लेकिन जल्द ही सेटिंग सिस्टम के माहिर खिलाड़ी भाईजान को अभयदान मिल गया और वो दिनरात अपने अवैद्ध कारोबार में तरक्की कर रहा है।

आईटीआई रोड स्थित एक मैरिज हॉल में पुस्तक विमोचन का कार्यक्रम संपन्न हुआ

फतेहपुर (संवाददाता)। आईटीआई रोड स्थित एक मैरिज हॉल में पुस्तक विमोचन का कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर ओ 0पी 0 अवस्थी ने की संचालक डॉक्टर चंद्र कुमार पांडे द्वारा किया गया इसके उपरांत दीप प्रज्वलित कर पुस्तक बिखरे पंख डॉक्टर सत्य नारायण मिश्रा द्वारा रचित की गई है जिसका विमोचन किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का साल और माला पहनकर स्वागत किया गया इस अवसर पर शिवशरण सिंह अंशुमाली मधुसूदन दीक्षित नरोत्तम सिंह महेश चंद त्रिपाठी राज किशोर शुक्ला आचार्य सत्यानंद शुक्ला समाजसेवी अशोक तपस्वी नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ओम प्रकाश शुक्ला राम सजीवन निर्मल अविनाश तिवारी राजेश तिवारी राजेश मिश्रा कोटेश्वर शुक्ला सुरेश चंद मिश्रा दिनेश चंद्र मिश्रा डॉक्टर अमित मिश्रा नीटू वंदना द्विवेदी संगीता द्विवेदी सरोज मौर्य मंजू शुक्ला प्रमोद कुमार तिवारी प्रधानाचार्य महर्षि विद्या मंदिर नीलम मिश्रा नवनीत मिश्रा आनंद प्रकाश अविनाश तिवारी आज लोग मौजूद रहे।

कृषि विभाग से जमीन का सर्वे करने पहुँची टीम पर मधु मक्खियों ने किया हमला

फतेहपुर। जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र के बस्तापुर गाँव मे जमीन का सर्वे करने पहुंची जनपद व लखनऊ से कृषि विभाग की टीम पर अचानक मधु मक्खियों ने हमला कर दिया। जिससे पाँच लोग मधु मक्खियों का शिकार हो गए। तुरन्त सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार कृषि विभाग निदेशालय से ज्वाइन डारेक्टर व उनकी टीम फतेहपुर जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र के बस्तापुर गाँव मे जमीन का सर्वे करने आई थी। ज्वाइन डारेक्टर व उनकी टीम का सहयोग करने के लिए जिले से कृषि विभाग की टीम भी उनके साथ मौजूद थी। जैसे ही दोनों टीमो की गाड़ियां बस्तापुर गाँव के समीप एक पेड़ के नीचे रुकी और लोग गाड़ियों से नीचे उतरे। तभी कही से मधु मक्खियों का एक झुंड आ गया और उसने सभी पर हमला बोल दिया। सभी अपने बचाव में इधर उधर भागे मगर जबतक मधु मक्खियों ने 59 वर्षीय आर०बी० सिंह पुत्र राज बहादुर सिंह, 60 वर्षीय एस०पी० श्रीवास्तव पुत्र यश लाल श्रीवास्तव, 50 वर्षीय लखनऊ टीम के ड्राइवर कीर्ति शुक्ला पुत्र गुरु प्रसाद शुक्ला, 44 वर्षीय राकेश दिवाकर पुत्र पीताम्बर लाल, 35 वर्षीय रवि कुमार को घायल कर दिया। मधु मक्खियों के हमले से बाकी बचे साथी सभी को तुरन्त इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुँचे। जहाँ ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर सभी का इलाज करने में जुट गए।

लोडर की टक्कर से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल

फतेहपुर। जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र के कस्बे के समीप एक तेज रफ्तार लोडर बाइक चालक को टक्कर मारता हुआ निकल गया। जिससे बाइक चालक रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में स्थानियों ने इलाज के लिए उसको नजदीकी स्वास्थ् केंद्र पहुंचा है। जानकारी के अनुसार हुसैनगंज थाना क्षेत्र के बीसापुर गांव निवासी नंदलाल का 24 वर्षीय पुत्र अजय किसी काम से जहानाबाद जा रहा था। जब वह कस्बे के समीप पहुंचा तभी उसको एक तेज रफ्तार लोडर टक्कर मारता हुआ निकल गया। जिससे बाइक चालक अजय रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में स्थानियों ने उसको इलाज के लिए जहानाबाद सीएचसी पहुंचा। जहां डॉक्टर ने घायल की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसको सरकारी एंबुलेंस से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं जिला अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर घायल को भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं।

पति-पत्नी के विवाद में पति ने खाया जहरीला पदार्थ,जिला अस्पताल में भर्ती

फतेहपुर। जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र के ज्वालागंज मोहल्ले में पति–पत्नी के विवाद में पति ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। जिसकी जानकारी उसके परिजनों को हुई तो तुरन्त प्राइवेट एम्बुलेन्स से उसको इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ज्वालागंज मोहल्ला निवासी नसीर का 25 वर्षीय पुत्र चाँद बाबू की सासुराल असोथर थानां क्षेत्र के कौडर गाँव मे है। उसकी पत्नी आमना इस समय अपने मायके गई हुई है। आज चाँद बाबू अपनी पत्नी आमना से फोन पर बात कर रहा था। तभी फोन पर ही दोनों का विवाद हो गया। उसके बाद चाँद बाबू ने जहरीला पदार्थ खाकर अपने जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। जिसकी जानकारी उसके परिजनों को हुई तो तुरन्त प्राइवेट एम्बुलेन्स से उसको इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर युवक को भर्ती कर उसका इलाज कर रहे है।

अमुवि के जेडएच कालिज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालोजी में तीन दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जेडएच कालिज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालोजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से जी20 कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत आयोजित तीन दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण व औद्योगिकरण के चलते आपदा के खतरे भी बढ़े हैं। ऐसे में भवनों व अन्य संसाधनों की सुरक्षा के लिए प्रभावी आपदा प्रबंधन बहुत आवश्यक हो गया है। उन्होंने बुनियादी ढांचा सुरक्षा आडिटिंग प्रणाली पर आयोजित होने वाले इस अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण असंतुलन के कारण उत्तराखंड क्षेत्र में भूसखलन के कारण काफी तबहीपैदा हुई। ऐसे में इंजीनियरों के समक्ष एक बड़ी चुनौती है और उनकी भूमिका भी बहुत बढ़ गई है। आपदा के दौरान होने वाले नुकसान को कम से कम कैसे किया जाए और लोगों के जीवन को सुरक्षित बनाया जाए। कुलपति ने कहा कि हांलांकि संसाधनों का आडिटिंग एक चुनौती भरा कार्य है लेकिन विशेषज्ञों के साथ सार्थक चर्चा से इस कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान से जुड़े कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर चंदन घोष ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी अमेरिक सोसाइटी आफ इंजीनियर्स द्वारा 1988 से इंफ्रास्ट्रक्चर रीटिंग प्रणाली का पालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बुनियादी ढांचा सुरक्षा प्रणाली के दौरा पेश आने वाली समस्याओं पर भी बात होगी। प्रो. शोध ने कहा कि भवनों की भूकम्प से सुरक्षा पर भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने डिजिटल निर्माण तकनीक पर भी चर्चा की। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर आईएच फारूकी ने स्वागत भाषण में विभाग का परिचय दिया।

श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर में कई जगह गणेश महोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

फतेहपुर (संवाददाता)। श्री गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर में कई जगह गणेश महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह महापर्व हमारी अध्यात्मिक संस्कृत हुआ राष्ट्रीय चेतना का परिचालक है मंगल मूर्ति भगवान श्री गणेश सभी के जीवन में सुख समृद्धि का संचार करते हैं और सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं जिसमें हजारीलाल फाटक चौक में गणेश महोत्सव कार्यक्रम आचार्य गोरेलाल मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ सर्वप्रथम गणेश भगवान की पूजा अर्चना की गई और गणेश वंदना एवं आरती संपन्न हुई इस अवसर पर मनीष कुमार सोनी मयंक सिंह कनक सिंह मोनू सोनी अजय सोनी पिंटू सोनी मनीष सोनी गोलू सोनी रामनाथ सोनी संजीव रस्तोगी महेश सोनी गोविंद सोनी दीपक सोनी सुजीत सोनी सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे। वहीं तेलियानी ब्लाक के समीप कंजर डेरा में भी श्री गणेश पूजन का कार्यक्रम देवेश उत्तम ने अपने यहां किया इस अवसर पर कुलदीप सहनवाल रामसनेही उत्तम पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दिनेश बाजपेई बंदन उत्तम गंगाराम उत्तम रामकरण उत्तम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पोषण माह से सम्बन्धित कार्यक्रम लोक भवन ऑडिटोरियम लखनऊ से मुख्यमंत्री द्वारा संबोधित किया गया

फतेहपुर(संवाददाता)। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय पोषण माह से सम्बन्धित कार्यक्रम लोक भवन ऑडिटोरियम लखनऊ से किया गया। जिसमें मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा पोषण से सम्बन्धित महत्व एवं गतिविधियो के बारे में विस्तार से सम्बोधित किया गया। जिसका सजीव प्रसारण दूरदर्शन,सोशल मीडिया एवं यूट्ब चौनल के माध्यम से जनपद फतेहपुर की कार्यकत्रियों, सहायिकाओं तथा लाभार्थियों द्वारा सुना एवं देखा गया। एनआईसी में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारियों, मुख्य सेविकाओ आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं द्वारा सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम के दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई, अन्नप्राशन एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को साडीध्वर्दी की धनराशि का डी०बी०टी० के माध्यम से हस्तांतरण किया गया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा 171 बाल विकास परियोजना कार्यालय एवं सहगोदाम का शिलान्यास एवं 1209 आगनवाडी केन्द्रों का शिलान्यास एवं 150 आंगनवाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण किया गया। जिनमें जनपद फतेहपुर की 06 बाल विकास परियोजना धविकास खण्ड विजयीपुर, हथगाम, धाता, अमौली, खजुहा एवं देवमई कार्यालय का शिलान्यास एवं 03 आंगनवाडी केन्द्र विकास खण्ड हसवा का धरवासीपुर, विकास खण्ड विजयीपुर का विजयीपुर–2 विकास खण्ड धगाता का भदौहा का लोकार्पण किया गया।

शहीदों की चिताओं में लगेंगे हर बरस मेले। वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशा होगा।।

फतेहपुर(संवाददाता) । 18 सितंबर 2016 को जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में एलओसी के पास स्थित भारतीय सेना के स्थानीय मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 16 जवानों को आज दिनॉक 18ध्09ध्23 को शाम 6 बजे इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के तत्वावधान व चेयरमैन डॉ अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में शास्त्री चौक में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।जिसमें सभी आजीवन सदस्यों ने मोमबत्ती जलाकर व दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर सभी

लोगों द्वारा ष्उरी शहीदों का बलिदान नहीं भूलेगा हिंदुस्तानष्भारतमाता की जय,वंदेमातरम के नारे लगाये गए।इस अवसर पर इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के सचिव अजीत सिंह,कार्यकारिणी सदस्य दिलीप कुमार,डॉ विवेक,आजीवन सदस्य सुजीत सिन्हा,संजय श्रीवास्तव,रीता सिंह तोमर,सुरेश श्रीवास्तव,शरद कुमार श्रीवास्तव,अभिनव श्रीवास्तव, प्रशांत पाटिल,चेतन यादव,सुरेश चंद्र,श्रवण मिश्र,राजकुमार निषाद,रामप्रकाश मौर्य,प्रवीण प्रसून, मनीष कुमार,अंगद सिंह,सीताराम यादव,शोभाराम तिवारी,राशिद हुसैन,शाजी,कल्याण देव,दीपक कुमार मौर्य सभासद आवास विकास सहित तमाम नागरिक उपस्थित रहे।

संयुक्त सामाजिक एकता मंच के बैनर तले पेरियार रामास्वामी नायकर एवं पेरियार ललई सिंह यादव की संयुक्त जयंती के उपलक्ष में मेधा अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन

फतेहपुर(संवाददाता)। पाल सामुदायिक उत्थान समिति के संयोजन में संयुक्त सामाजिक एकता मंच के बैनर तले पेरियार रामास्वामी नायकर एवं पेरियार ललई सिंह यादव की संयुक्त जयंती के उपलक्ष में मेधा अलंकरण समारोह का आयोजन टण्ड रोड स्थित मंडप गेस्ट हाउस में संपन्न हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों एवं अध्यक्ष जी के द्वारा दीप प्रज्वलन तथा महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया.कार्यक्रम का उद्घाटन धीरेन्द्र सिंह यादव ष्मुन्ना बाबूष् (अध्यक्ष हथगांव नगर पंचायत)के द्वारा तो अध्यक्षता श्यामलाल पाल (बिंदकी तहसील ऑडिटर पाल सामुदायिक उत्थान समिति) ने किया. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में हुसैनगंज विधायक के बेटे विकल्प मौर्य,सदर विधायक एडवोकेट चंद्रप्रकाश लोधी, नगर पालिका अध्यक्ष फतेहपुर एडवोकेट राजकुमार मौर्य एवं बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट केपी सिंह उपस्थित रहे.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्यामलाल पाल (प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश) ने लोगों को संबोधित करते हुए समाज को एकजुट रहने और शिक्षा तथा व्यापार में तरक्की करने का संदेश दिया तथा सम्मान प्राप्त छात्रों एवं कर्मचारियों तथा समाजसेवियों के उज्जवल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की.कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजू पासी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी) ने अपनी बात रखते हुए कहा की हमारे समाज में जन्मे सभी महापुरुषों ने जाति धर्म से ऊपर उठकर मानवता के हित के लिए काम किया और समाज को शोषण,अंधश्रद्धा, रूढ़वादी परंपरा से निकालने एवं मानवीय जीवन जीने के लिए आजीवन संघर्ष कर भारतीय संविधान में अधिकार बहाल कराने का काम किया, जिन लोगों से हमारा बहुजन समाज सदियों से पीड़ित रहा वह आज भी इस मन्सा से हमारे संविधानिक अधिकारों को खत्म करने में लगे हुए हैं और संविधान तक बदलने की साजिश कर रहे हैं.आज जरूरत है हम सब एससी–एसटी ओबीसी के लोग जात, धर्म, एवं दलगत से ऊपर उठकर मानवता के हितऔरअपने महापुरुषों के संघर्षों द्वारा निर्मित संविधान को बचाने की लड़ाई में एक साथ आएं,वरना आने वाली पीढ़ियां जब अधिकार वंचित हो जाएगी तो हम लोगों को ही नालायक कहेंगी. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को रामलगन सिंह यादव (पूर्व डिप्टी कमिश्नर आयकर विभाग), चंद्रिका प्रसाद पाल (पूर्व अकाउंटेंट ठैछस),देवीप्रसाद निषाद (प्रदेशअध्यक्ष पिछड़ा वर्ग महासंघ),श्याम नारायण सिंह (राष्ट्रीय प्रमुख जननायक कर्पूरी सेना), शत्रुघनलाल (प्रांतीय अध्यक्ष बामसेफ)सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित किया,और समाज को एकजुट और शिक्षित होने की बात कही तथा समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागृत होने और संघर्ष करने की बात को रखा.सम्मान कार्यक्रम में 10 हाई स्कूल एवं 10 इंटरमीडिएट के छात्र,छात्राओं को मेडल, प्रशस्तिपत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया, जिसमें हाईस्कूल में खुशी पाल 94.5: एवं इंटरमीडिएट में नीरज सिंह पाल 95. 8 प्रतिशत से प्रथम स्थान प्राप्त किया. कार्यक्रम में सरकारी सेवा में स्थान पाए लोगों सहित समाजसेवियों को भी महापुरुषों की तस्वीर एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का कुशल संचालन डा.अमित पाल (अध्यक्ष पाल सामुदायिक उत्थान समिति एवं संयोजक संयुक्त सामाजिक एकता मंच) ने किया. इस मौके पर प्रमुख रूप से शंकरलाल सविता, शिवशरण बंधु, ललित सैनी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि बबलू पाल एवं कमलेश पाल, चंद्रपाल बाबू, एडवोकेट इंद्रजीत यादव, लालदेवेंद्र पटेल, घनश्याम पाल टक्करी, गंगासागर पाल, संदीप पाल, चौधरी भक्तदास, ज्ञान सिंह मौर्य, सूरजभान पाल, उमेश पाल, हरिदत्त भारती, श्रीकांत पाल, मोनू पाल ठेकेदार, राजेश पाल, दिनेश पाल बौरा, सुरेशचंद्र धनगर, संदीप यादव, हिमांशु पटेल, समरजीत पाल, दिलीप पाल, देशराज पाल, रजोल सेन, बाबूलाल पाल, जियालाल, रामचंद्र पाल, मनोज प्रकाश, धनराज पाल, प्रकाश पासवान, बुद्धिलाल पाल, देवेंद्र पासवान, राजकुमार पाल, रामबाबू पाल, बृजेंद्र पाल, देवेंद्र पाल, राजकरण यादव, सुरेंद्र पाल, विनय यादव, दिनेश शर्मा, कैलाश पाल, रामपाल ,बलराम पाल, रमेश पाल, धीरेंद्र पाल ,जगदीश पाल, रामदीन पाल ,मूलचंद पाल, राकेश पाल, अमित पाल, सीपी सिंह पाल, रामबहादुर पाल, बलवंत पाल, छोटेलाल पाल, रामकुमार पाल, डा. रोहित पाल, अविनाश पाल ,अजय पाल, शिवकुमार पाल ,अवधेश पाल, श्यामू पाल, आदित्य पाल, शिवभोले पाल, भोला पाल, सुधीर पाल, मनीष पाल ,राजेंद्र बाबू पाल, अतुल कुमार, लकी पाल, सुभाष पाल, विजय गौतम सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे.

नवनिर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत

फतेहपुर(संवाददाता)। नवनिर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष का फतेहपुर में प्रथम आगमन पर जगह–जगह जोरदारी से स्वागत हुआ शिवली नदी से स्वागत का काफिला फतेहपुर की तरफ बड़ा वैसे ही लंबी कारों में सैकड़ो गाड़ियां देखने को मिली जिसमें चौराहे पर खागा विधायक कृष्णा पासवान और ब्लॉक प्रमुख हसवा ने अपने साथियों सहित जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर गायत्री सिंह प्रेम सिंह राठौड़ अपर्णा सिंह स्वरूप राज सिंह जूली पूर्व सांसद अनिल बाबा रितेश तिवारी देवीगंज वार्ड

जीटी रोड स्थित स्मिता नर्सिंग होम की संचालक डॉक्टर स्मिता एवं आलोक सचान, अमित मौर्य सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा वही बाकरगंज चौराहे पर राजू साहू ने चांदी का मुकुट पहनकर नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया ज्वालागंज स्थित बस स्टॉप पर हसवा के पूर्व ब्लाक प्रमुख अच्छे लोधी अपने साथियों सहित मौजूद रहे। वही आईटीआई रोड स्थित अलंकार गार्डन के सामने भोला सिंह ने अपने साथियों के साथ स्वागत किया वही पटेल नगर स्थित सभासद सुनील गुप्ता अमित द्विवेदी अजय सिंह उर्फ रिंकू लोहरी अकिल खा पंकज मिश्रा अंकुल अवस्थी पवन मिश्रा ने भाजपा कार्यालय में अपने साथियों के साथ जोरदार स्वागत किया। और भाजपा कार्यालय को आज दुल्हन की तरह सजाया गया और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखने को मिला इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह हुआ पूर्व अध्यक्ष आशीष मिश्रा शाहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संभव जनसुनवाई में उमड़ी भीड़–समस्याओं से मिल रही राहत की आस में फरियादियों की उमड़ी भीड़

एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर नगर आयुक्त का सम्मान

मंगलवार को संभव जनसुनवाई करते हुये नगर आयुक्त अमित आसेरी का अंदाज देखकर पब्लिक और पार्षदों ने सराहना की। जनसुनवाई में आये कई पार्षदों द्वारा जेई जल और जोन 4 के एसएफआई की लापरवाही के बारे में बताने पर नगर आयुक्त के तेवर तीखे नजर आये।

जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त ने अधीनस्थों को साफ शब्दों में कहा पब्लिक और पार्षदों की समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही करने की सभी अपनी प्राथमिकता बनाये और अंदाजे गुफ्तागू शिष्ठाचार होनी चाहिये। संभव जनसुनवाई के दौरान क्षेत्रीय पार्षदों ने नगर आयुक्त के समक्ष लीकेज मरम्मत और गंदी पेयजलापूर्ति के बारे में समस्यायें बतायी जिस पर नगर आयुक्त ने महाप्रबंधक जल को अपनी टीम के साथ मौके पर जाकर तत्काल कार्यवाई सुनिश्चि कराने के निर्देश दिये वही जोन–04 में पार्षद के बार बार कहने पर भी डलाव घर पर कूड़ा डालने पर नगर आयुक्त ने एसएफआई की जमकर क्लास लगायी और अपर नगर आयुक्त को तत्काल सम्बन्धित का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिये।

नगर आयुक्त ने कहा कि संभव जनसुनवाई का उदेश्य जनमानस की समस्याओं का गुणवत्तापूर्वक समयान्तर्गत निस्तारण कराना है और इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

संभव जनसुनवाई के उपरांत नगर आयुक्त के एक साल के कार्यकाल पूरा होने पर अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया राकेश कुमार यादव के नेतृत्व में अधिकारियों व नगर निगम सफाई कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष महामंत्री पूर्व अध्यक्ष महामंत्री और नगर निगम सफाई यूनियन के अध्यक्ष और महामंत्री व पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को बधाई दी।

अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया ने बताया कि संभव जनसुनवाई में 05 शिकायतें नगर आयुक्त के समक्ष आयी जिसमे शिकायतकर्ता भूप्रकाश ने गली मे सफाई कराने के संबंध मे धर्मेंद्र यादव ने सफाई कराने के संबंध मे बी.एन.सीवर लाइन की सफाई कराने के संबंध सुनील अग्रवाल ने सफाई कराने के संबंध संदीप अरोरा ने कूड़ा गाड़ी का नियमित न आने के संबंध मे समस्या बतायी स जिन पर प्रभावी कार्यवाही के लिये सभी सम्बन्धित को निर्देशित कर दिया गया है और यह भी निर्देश दिये गये कि अगली जनसुनवाई से पहले निस्तारण कराकर शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर निस्तारण की संस्तुति ली जाये।

नगर निगम 4 जोन में लगाएगा संपत्ति कर कैम्प

अलीगढ़। नगर निगम संपत्ति कर वसूली को दिन–रात बढ़ाने के लिए प्रयासरत 'नगर आयुक्त अमित आसेरी के निर्देश पर नगर निगम के सभी 4 जोन में बुधवार को नगर निगम संपत्ति कर जमा करने के कैम्प लगाए जाएंगे।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने लगाये जाने वाले कैम्पों के बारे में बताया कि जोन–1 20.09.2023 बड़ी मस्जिद सर सय्यद नगर 21.09.2023 भमोला फाटक 22.09.2023 जनकपुरी पानी की टंकी 23.09.2023 ख्वाजा गार्डन गैस्ट हाउस दोदपुर 24.09.2023 जमालपुर ईदगाह जोन–2 – 20.09.2023 तिकोना पार्क ज्ञान सरोवर 21.09.2023 फुलवारी गैस्ट हाउस, रामघाट रोड 22.09.2023 श्री युवराज पैलेस रामघाट रोड 23.09.2023 डा० भीमराव अम्बेडकर अम्बेडकर कालोनी 24.09.2023 आवास विकास कालोनी, आगरा रोड जोन–3 –20.09.2023 जयगंज स्कूल न०–35 21.09.2023 शैल्टर होम भुजपुरा 22.09.2023 खटीकान धर्मशाला देहलीगेट 23.09.2023 शिवा गेस्ट हाउस सासनीगेट 20.09.2023 के०डी० स्कूल कामाख्या मंदिर 21.09.2023 इण्डस्ट्रियल स्टेट (कार्यालय संयुक्त आयुक्त) 22.09.2023 गुलर रोड (सीवर पम्पिंग स्टेशन) 23.09.2023 मसूदाबाद (हनुमान मंदिर के पास) 24.09.2023 मोहनलाल गौतम चौराहा नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया भवन स्वामी सम्पत्ति कर (गृहकर, जलकर व ड्रेनेजकर) जमा करके (चालू वित्तीय वर्ष–2023–24) में 15 अक्टूबर, 2023 तक 20: छूट का लाभ उठायें।

अलीगढ़ नगर निगम इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 तथा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नगर निगम अलीगढ़ टीम द्वारा सुभाष चौक पर पेंट माय सिटी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 मे जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह द्वारा भी पेंटिंग करके प्रतिभाग किया गया एवं दीवार चित्रण कर रहीं विद्यार्थियों की हौसला अफजायी की एवं सभी बच्चों से संवाद कर उन्हे प्रोत्साहित किया।

अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया द्वारा बताया की नगर निगम अलीगढ़ द्वारा सुभाष चौक पर इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 अभियान के अंतर्गत पेंट माय सिटी प्रतियोगिता आयोजित की गयी इस प्रतियोगिता मे अच्छी पेंटिंग करने वालो को पुरस्कार वितरण कर उन्हे प्रोत्साहित किया। इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 पेंट माय सिटी अभियान मे प्रथम पुरस्कार अर्चित कश्यप एंड ग्रुप को 5001 द्वितीय पुरस्कार आशीष एंड को 3001 तथा तृतीय पुरस्कार योगिता शर्मा ध्2001का पुरस्कार दिया गया । इसके अतिरिक्त 05 ग्रुप्स को 1000 सांत्वना पुरस्कार दिया गया।। जिलाधिकारी और नगर आयुक्त ने सयुक्त रूप से सभी बच्चों से संवाद कर उन्हे प्रोत्साहित किया गया तथा खुद भी पेंटिंग में हांथ आजमाया गया।

DM और सीएमओ के नाम फर्जी पत्र,फेक साइन करने वाले की तलाश जारी

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ में जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नाम से फर्जी पत्र जारी करने वाले की तलाश तेज हो गई है। डीएम ने इस मामले का तत्काल संज्ञान लिया था और सीएमओ को कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए थे। जिसके बाद सीएमओ ने इस मामले में तहरीर दी थी। सीएमओ डॉ नीरज त्यागी की तहरीर पर थाना क्वार्सी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मुकदमा दर्ज करने के साथ ही आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं प्रशासन की ओर से फर्जी पत्र के संबंध में खंडन भी जारी कर दिया गया है, जिससे कि निजी अस्पताल संचालक फर्जी पत्र से भ्रमित न हो। अलीगढ़ में दो दिन पूर्व निजी अस्पताल संचालकों के नाम एक पत्र जारी किया गया था। डीएम इंद्र विक्रम सिंह और सीएमओ डॉ नीरज त्यागी के नाम से पत्र जारी करते हुए निजी अस्पताल संचालकों को निर्देश दिए गए थे कि वह टीबी मरीजों को आवश्यक रूप से गोद लें। इस फर्जी पत्र में कहा गया था कि सभी निजी अस्पताल संचालक आवश्यक रूप से दो–दो टीबी मरीजों को गोद लें। इन्हें छह महीने के लिए पौष्टिक सामग्री बांटा करें। एक मरीज को पौष्टिक सामग्री बांटने में उनका 5000 रुपए खर्च आएगा। इसलिए वह दो मरीजों के लिए 10 हजार रुपए जिला समन्वयक विवेक चौहान को देकर रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अस्पताल संचालकों से अवैध वसूली के लिए जारी किए गए इस पत्र के बाद डीएम ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया। डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने तत्काल खंडन जारी करते हुए अस्पतालों को सूचना दी और क्वार्सी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। जिससे कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। सीएमओ डॉ नीरज त्यागी ने बताय कि अवैध वसूली करने के लिए किसी अराजक तत्व ने फर्जी पत्र जारी किया था। जिसके बाद उनके कार्यालय की ओर से इसका खंडन जारी कर दिया गया है और क्वार्सी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिससे कि आरोपी के खिलाफ कानूनी और सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जा सके।

खराब हाउस टैक्स वसूली पर नगर आयुक्त हुए खफा–जोनल अधिकारियों को कैंप लगाकर वसूली करने की हिदायत

अलीगढ़। नगर निगम संपत्ति कर वसूली को दिन–रात बढ़ाने के लिए प्रयासरत नगर आयुक्त अमित आसेरी ने सभी अधीनस्थों के लिए दो टूक शब्दों में नसीहत देते हुए निर्देश दिए हैं प्रत्येक दशा में संपत्ति कर वसूली के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की जाए। ज्यादा से ज्यादा वसूली के लिए नगर निगम करदाताओं के द्वार पहुंचे इसको देखते हुए सभी चारों जोन में संपत्ति कर कैंप का आयोजन किया जाए कैंप में करदाताओं को 20: छूट का लाभ लेने व हाउस टैक्स जमा करने के लिए प्रेरित किया जाए।

नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया और राकेश कुमार यादव को अपने–अपने जोन में संपत्ति कर कैंप को गंभीरता से संचालित करने व प्रतिदिन वसूली की समीक्षा जोनल अधिकारियों के साथ करने के निर्देश दिए।

अपर नगर आयुक्त ऋतु पूनिया ने बताया कि रविवार को नगर निगम द्वारा संपत्ति कर वसूली के लिए संपत्ति कर कैंप का आयोजन किया गया जिसमे जोन 1 विक्रम कालोनी पार्क लगाए कैम्प में ध 575000.00 जोन 2 तिकोना पार्क ज्ञान सरोवर कालोनी ध 121800.00 जोन 4 गूलर रोड ध्458000.00 की कुल 1154800.00 वसूली की गई। उन्होंने कहा संपत्ति कर जमा करने से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान व कैम्प आयोजन के लिए जोन 1 सिविल लाइन के जोनल अधिकारी अशोक सिंह सीटीओ 9452205361 जोन 2 गांधी पार्क जोनल अधिकारी ठाकुर प्रसाद सिंह सहायक नगर आयुक्त 9411090288 जोन 3 ऊपरकोट क्षेत्र जोनल अधिकारी राजकिशोर प्रसाद उप नगर आयुक्त 6396230033 तथा जोन 4 बन्नादेवी क्षेत्र जोनल अधिकारी पूजा श्रीवास्तव सहायक नगर आयुक्त 7234810773 से संपर्क किया जा सकता है।

नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया भवन स्वामी सम्पत्ति कर (गृहकर, जलकर व ड्रेनेजकर) जमा करके (चालू वित्तीय वर्ष–2023–24) में 15 अक्टूबर, 2023 तक 20: छूट का लाभ उठायें।

खजाना खोजने के लिए जेसीबी की खुदाई, मिलीं प्राचीन मूर्तियां

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ के अतरौली में खजाने की सूचना पर हड़कंप मच गया। यहां खुदाई के दौरान जमीन से पत्थर की मूर्तियां निकली थी, जिसके बाद लोगों ने यह मान लिया कि यहां राजाओं का प्राचीन

खजाना दबा हुआ है। जेसीबी लगाकार खुदाई भी शुरू कर दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण यहां पर खजाना देखने के लिए इकट्ठा हो गए। जब प्रशासन को इसकी जानकारी हुई तो मौके पर राजस्व विभाग और प्रशासन की टीमें पहुंच गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को वहां से हटाया और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण शुरू किया। जिससे कि यहां पर मिलने वाली चीजों का संग्रहण किया जा सके। अतरौली क्षेत्र के गांव चकाथल से बुलंदशहर के गांव विजय नगरिया और बैलोन जाने वाले रास्ते पर पुल का निर्माण कराया जा रहा है। यहां नीम नदी पर सरकारी पुल बनाया जा रहा है। पिछले कई महीनों से यहां पर काम चल रहा है। सोमवार को पूल पर मिट्टी डालने का काम चल रहा था। मिट्टी डालने के लिए खुदाई के दौरान जमीन से पत्थर की मूर्ति निकली। यह मूर्ति देखकर लोगों में चर्चाएं शुरू हो गई और लोग यह कहने लगे कि जमीन में राजा का प्राचीन खजाना दबा हुआ है। लोगों ने जेसीबी लगाकर आसपास के खेतों में खुदाई का काम भी शुरू करा दिया, जिसके बाद यहां से देखने वालों की भीड़ लगी रही।

जेसीबी से खुदाई शुरू कराने के बाद जमीन से और मूर्तियां निकली। पहले पुरुष की मूर्ति निकली थी, जिसके बाद महिला की मूर्ति भी जमीन से निकली। यह मूर्ति प्राचीन बताई जा रही है, जिसके बाद लोगों में खजाने की आस और ज्यादा बढ़ गई। लोगों ने जेसीबी से खुदाई का काम और ज्यादा तेज करा दिया, जिससे कि जमीन में दबा हुआ खजाना उन्हें मिल जाए। लेकिन जमीन से उन्हें कुछ नहीं मिला और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर सारे क्षेत्र को अपने अधिकार में ले लिया। इसके साथ ही पुरातन विभाग की टीमें भी इन मूर्तियों का परीक्षण कर रही हैं। नीम नदी पर पुल बनाने का काम लगातार जारी है। लेकिन यहां मूर्तियां निकलने के बाद लोग यहां प्राचीन खजाना दबा होने की बात भी कह रहे हैं। इसलिए प्रशासन ने इस सारे क्षेत्र को अपनी निगरानी में ले लिया है और अधिकारियों की देखरेख में ही अब पुल निर्माण का काम चल रहा है। एसडीएम अनिल कटियार ने बताया कि खुदाई के दौरान पत्थर की मूर्तियां निकली थी। जिसके बाद राजस्व विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। मूर्तियों की जांच कराई जा रही है, जिससे कि उसकी प्राचीनता का पता चल सके। इसके साथ ही पुल निर्माण के काम पर नजर रखी जा रही है।

खैर कॉलेज के प्रबन्धक ने गोली मारकर किया सुसाइड, बेड पर पड़ा मिला शव

बस्ती(संवाददाता)। जिले के खैर ट्रस्ट के पूर्व मुतवल्ली और बेगम खैर गर्ल्स इंटर कालेज के प्रबन्धक कोतवाली थाना क्षेत्र के मुरलीजोत निवासी मोहम्मद अकरम खान (55) ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच पड़ताल करने में जुटी है। घटना मंगलवार की भोर करीब 5 बजे की है ।

मूल रूप से बस्ती सदर ब्लाक के बल्लीपट्टी गांव के मूल निवासी मो. अकरम खान कोतवाली थाना क्षेत्र के मुरलीजोत मोहल्ले में मकान बनवाकर परिवार के साथ रहते थे। सामाजिक कार्यों में भी वे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। नेपाल की भूकम्प त्रासदी में नेपाल के नागरिकों की मदद करने को लेकर वे सुर्खियों में आए थे। कारोना काल मे भी उन्होंने दिल खोलकर लोगों की मदद की थी। उनके लाइसेंसी रिवाल्वर से कनपटी पर गोली मार कर सुसाइड करने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। परिवार वालों के अनुसार वह बेड पर मृत पड़े थे। बेड पर खून बिखरा पड़ा था। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस परिवार वालों से घटना के संबंध में पूछताछ कर जानकारी जुटाने में लगी है। मौके से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है, जिससे मौत का कारण स्पष्ट हो सके। दबी जूबान इस बात की चर्चा है कि मुतवल्ली पद पर रहने के दौरान उन्होंने लोगो से दुकान एवं आवास देने के नाम पर काफी पैसा लिया था, लेकिन दुकान, आवास आवंटित करने से पहले ही वे मुतवल्ली पद से हटा दिए गए थे। कर्ज को

लेकर वे काफी परेशान रहते थे। कुछ पैसा लोगों का उनके द्वारा लौटाया भी गया था, लेकिन अभी भी काफी देनदारी बाकी थी। आशंका है कि आर्थिक स्थिति खराब होने और रुपया वापस न कर पाने के कारण तनाव में आकर उन्होंने यह कदम उठाया।

सीओ सिटी विनय चौहान ने बताया कि मौके की जांच पड़ताल, साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का लग रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगा।

प्रधानों ने ब्लाक प्रमुख और जिला-पंचायत अध्यक्ष को बनाया बंधक, बोले, पीडी को मिला है बीडीओ काचार्ज, मानसिक रूप से कर रहे हैं शोषण

बस्ती(संवाददाता)। जिले में सदर ब्लाक के ग्राम प्रधानों ने अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को बीडीओ कार्यालय और गेट में ताला लगा दिया और ब्लाक प्रमुख समेत कर्मचारियों को बंधक बना लिया। आक्रोशित ग्राम प्रधानों को समझाने पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष को भी बंधक बना लिया। ग्राम प्रधानों का कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता। उनका विरोध प्रदर्शन और धरना ब्लाक परिसर में जारी रहेगा। बस्ती सदर विकास खंड के प्रधानों का कहना है कि ब्लाक में कोई स्थाई बीडीओ नहीं है। पीडी को बीडीओ का चार्ज मिला है, लेकिन वे काम करने की जगह ग्राम प्रधानों का मानसिक रूप से शोषण कर रहे हैं। पिछले करीब 2 माह से ग्राम पंचायतों में विकास का कोई भी कच्चा, पक्का कार्य नहीं हो पा रहा है। डिमांड देने के बाद भी कार्य स्वीकृत नहीं किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों में उनकी स्थिति और छवि खराब हो रही है। ग्राम प्रधान संगठन बस्ती सदर के अध्यक्ष प्रिंस शुक्ला ने बताया कि खंड विकास अधिकारी के न होने के कारण यहां पीडी चार्ज पर है, लेकिन वे ग्राम पंचायतों में कोई विकास कार्य नहीं करने दे रहे हैं। डिमांड भेजने के बाद उनके द्वारा यह कहा जाता है कि मौके को देखने के बाद स्वीकृति प्रदान की जाएगी, लेकिन काम देखने के बाद भी उनके द्वारा स्वीकृत नहीं दी जा रही है। इससे कच्चा, पक्का कार्य प्रभावित हो रहा है और मनरेगा मजदूरों को काम भी नहीं मिल रहा है। 60 दिनों से यही स्थिति बनी हुई है, इसलिए ब्लाक के सभी कार्यालयों और कमरों में ताला बंद कर विरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि ब्लाक में एक कार्यक्रम में आए जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी को भी बंधक बनाया गया है। जब तक समस्या का समाधान नहीं होता ब्लाक से किसी को जाने नहीं दिया जाएगा और ग्राम प्रधान धरने पर बैठे रहेंगें। विरोध प्रदर्शन करने वालों में ग्राम प्रधान सुनील पांडेय, सूर्य प्रकाश गोस्वामी, सुनील सिंह, शिव श्याम चौधरी, वीरेंद्र कन्नौजिया, लालजी, अशोक वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान शामिल हैं।

दिनदहाड़े एलआईसी-एजेंट के मकान में 20लाख की चोरी,सीसीटीवी में कैद हुए चोर, पुलिस जांच में जुटी

बहराइच(संवाददाता)। शहर के मोहल्ला रायपुर राजा निवासी एलआईसी एजेंट के घर को चोरों ने निशाना बना लिया। चोरों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पति अपनी पत्नी के साथ बेटे को लखनऊ एयरपोर्ट छोड़ने के लिए गए थे। चोरों ने लाइसेंसी रिवाल्वर समेत लगभग 20 लाख की चोरी की है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली देहात क्षेत्र के मोहल्ला रायपुर राजा निवासी सरदार भूपेंद्र सिंह एलआईसी एजेंट हैं। साथ ही वह गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा प्रबंध समिति के महामंत्री हैं। उनका बेटा कनाडा जा रहा था। जिस पर सरदार भूपेंद्र सिंह अपनी पत्नी के साथ बेटे को छोड़ने लखनऊ एयरपोर्ट गए थे। यहां पर स्कूटी से

अज्ञात चोर आए। तीन की संख्या में आए चोर दीवार फांदकर घर में घुस गए। इसके बाद सभी अलमारी का लॉक तोड़ दिया। इसके बाद लाइसेंसी रिवाल्वर, चार से पांच लाख रूपये नकदी, 12 लाख मूल्य के सोने चांदी के जेवरात समेत 20 लाख की चोरी की। दीवाल से चोरों को कूदते हुए मोहल्ले के लोगों ने देखा। इसके बाद परिवार को सूचना दी। सरदार भूपेंद्र सिंह ने बताया कि भाई ने ऑनलाइन शिकायत कर दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच की। वहीं चोरी करने वाले युवक सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। परिसर के लोगों ने कुछ लोगों की पहचान भी कर ली है। कोतवाली देहात पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच की है। इस मामले में कोतवाल मनोज कुमार पांडेय ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है। सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

मुहम्मद साहब के जीवन के सभी कार्य खुदा पाक को राज़ी करने का जरिया : खालिद रशीद

लखनऊ(संवाददाता)। नबी पाक सल्ल0 की जिन्दगी तमाम इंसानों के लिए मार्ग दर्शक है, वह सारे जहाँ के लिए रहमत बनाकर भेजे गए। उन्होंने पूरी दुनिया को तौहीद व रिसालत और अमन व सलामती का पैग़ाम दिया। सहाबाक्राम की जमाअत इस्लाम से पहले जिहालत व गुमराही की जिन्दगी गुजार रही थी। आप सल्ल0 के फैज से वह दुनिया की एक काबिल–ए–तकलीद जमाअत बन गयी। इन ख्यालात का इज्हार इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के अर्न्तगत दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल में होने वाले ''जलसा सीरतुन्नबी व सीरते सहाबा रजि0 और इस्लाह–ए–मुआशरा'' के तीसरे जलसे को सम्बोधित कर रहे थे। मौलाना ने कहा कि खुदा पाक ने अपने अन्तिम रसूल नबी पाक स॰ को सारी दुनिया के लिए रहमत बनाकर भेजा। आप की लाई हुई शरीअत खुदा पाक की आखिरी शरीअत है। अब कयामत तक कोई नई शरीअत नही आयेगी। आप स0 ने इस्लाम की दावत रहती दुनिया तक के लिए दी। मौलाना ने कहा कि नबी पाक सल्ल0 की पैरवी करने वाले दुनिया के हर भाग में हैं। आप स॰ की पैरवी ही में सफलता है। उन्होंने कहा कि रसूल स॰ के जीवन के जितने कार्य हैं वह सब के सब खुदा पाक की रजा हासिल करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि रसूल स॰ के मुआमले में हमें बहुत बचना चाहिए अगर हमारे मुंह से कोई ऐसी बात निकल जाये जिससे रसूल स॰ की शान में गुस्ताखी हो तो समझ लीजिए हमारा सब कुछ बर्बाद होगया। मौलाना ने शिक्षा प्राप्त करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर सही शिक्षा नही प्राप्त की जायेगी तो गुमराही फैलेगी। उन्होंने कहा कि खुदा पाक का जैसा हुक्म है वैसा ही उस पर अमल करना चाहिए। अपनी ओर से उसमें कुछ भी कमी व ज्यादती न की जाए।

महिला अस्पताल में शार्ट सर्किट से लगी आग,मची अफरा-तफरी

बहराइच(संवाददाता)। बहराइच जिला महिला अस्पताल के दूसरे मंजिला भवन में आग लगने से हड़कंप मच गया। शार्ट सर्किट से लगी आग से धुंआ का गुबार उठने लगा। मरीज और उनके तीमारदार छत से नीचे उतर कर परिसर में आ गए। सभी में अफरा तफरी मच गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मेडिकल कॉलेज परिसर जिला महिला अस्पताल का संचालन होता है। अस्पताल 300 बेड का बना हुआ है। प्रतिदिन की तरह सोमवार को महिला अस्पताल में चहल पहल चल रही थी। महिला डॉक्टर और स्टॉफ नर्स वार्ड का दौरा कर रहे थे। महिला अस्पताल के दो मंजिला भवन में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से अस्पताल परिसर में धुंआ फैलने लगा। धुंआ फैलने से मरीजों में अफरा तफरी मच गई। मरीज दो मंजिला भवन से भागकर नीचे परिसर में आ गए। अफरा तफरी मच गई। हालांकि कुछ देर में ही कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय खत्री ने बताया कि शार्ट सर्किट एमसीवी के शार्ट होने से हुआ था। आग नहीं लगी है। एमसीवी दूसरा लगवा दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि धुंआ जरूर हुआ था, लेकिन मरीजों को कोई समस्या नहीं हुई।

मंगलायतन विश्वविद्यालय को एक और बड़ी उपलब्धि

यूजीसी से दूरस्थ शिक्षा को मिली मान्यता

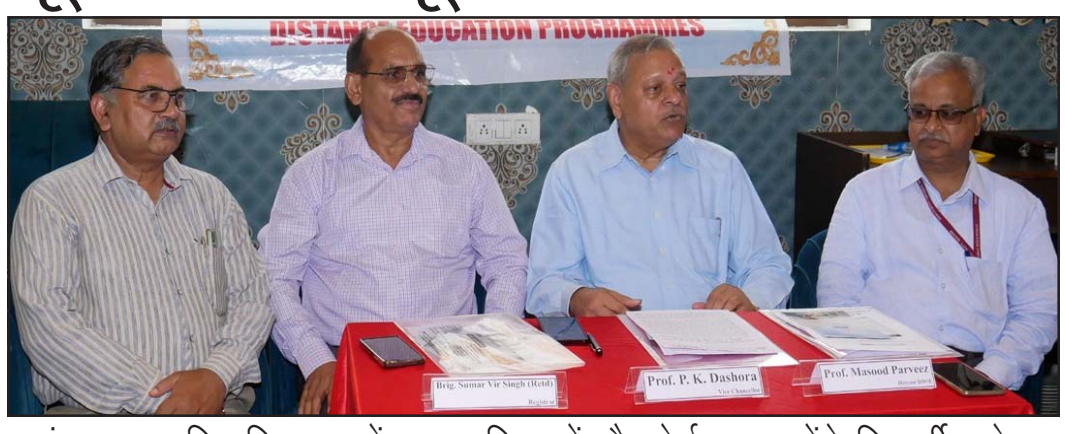

मंगलायतन विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा में नौ कोर्स कर सकेंगे शिक्षार्थी, प्रवेश प्रक्रिया कप प्रारंभ, जॉब के साथ उच्चशिक्षा प्राप्त करने का मिलेगा सुनहरा अवसर

अलीगढ़ (प्रीति शर्मा)। मंगलायतन विश्वविद्यालय के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और नवाचार जुड़ गया है। इसी सत्र में ऑनलाइन शिक्षा के साथ ही अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन (यूजीसी) से दूरस्थ शिक्षा (डिस्टेंस एजुकेशन) की मान्यता मिलना बड़ी उपलब्धी है। विशेषज्ञ पैनल प्रबंधन के दृष्टिकोण में मानदंडों पर खरा उतरने पर विश्वविद्यालय को अनुमति प्रदान की गई है। यहां दूरस्थ शिक्षा में नौ पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। जिनमें स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शामिल हैं। जो लोग जॉब के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए यह सुनहरा अवसर होगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय की ओर से प्रेस वार्ता का आयोजन अलीगढ़ के होटल रूबी में किया गया।

विश्वविद्यालय के ऑनलाइन एवं मुक्त दूरस्थ शिक्षा केंद्र के निदेशक प्रो. मसूद परवेज ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि नए सत्र में विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम संचालन के लिए यूजीसी से मान्यता मिल गई है। यूजीसी द्वारा निर्देशित सभी प्रक्रियाओं और मापदंडों पर विश्वविद्यालय खरा उतरा है। हमें नौ पाठ्यक्रमों को संचालित करने की मान्यता प्रदान की गई है। जिनमें बीकॉम, बीए, एमबीए, एमकॉम, एमएससी गणित, एमए अंग्रेजी, एमए इतिहास, एमए राजनीति विज्ञान, एमए समाजशास्त्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसकी जानकारी यूजीसी की वेबसाइट पर भी देखी जा सकती है। वेबसाइट पर मान्यता और पाठ्यक्रम की सूची उपलब्ध है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर शिक्षार्थी ऑनलाइन फार्म भरकर प्रवेश ले सकते हैं। यूजीसी से दूरस्थ शिक्षा में प्राप्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रियों को पारंपरिक डिग्रियों के समान ही मान्यता प्राप्त है। विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, वहीं, प्रत्येक रविवार को ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों मोड में कक्षाएं संचालित होंगी।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विवि दूरस्थ शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अंतिम छोर में रहने वाले विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाने के लिए भी संकल्पित है। वर्तमान युग में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं। जिसमें दूरस्थ शिक्षा विद्यार्थियों को कौशल और नौकरी के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके माध्यम से वे सभी वंचित लोग जो किसी कारणवश उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाए उनके लिए सर्वोत्तम शिक्षण संसाधन उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि मंगलायतन विश्वविद्यालय का लक्ष्य सभी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे उन्हें करियर के अवसर प्राप्त हों।

प्रेस वार्ता में कुलसचिव बिग्रेडियरसमरवीर सिंह ने बताया कि वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से ही हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। जो लोग नौकरी करते हैं या दूर पढ़ाई करने नहीं जा सकते हैं, उनके लिए डिस्टेंस एजुकेशन बेहतर विकल्प है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए प्लस ग्रेड मिलने के बाद एक और उपलब्धि मिली है। विवि को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से जैन अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा प्राप्त है। इस अवसर पर वित्त सलाहकार अतुल गुप्ता, पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग से योगेश कौशिक, डा. सोनी सिंह व लव मित्तल आदि उपस्थित रहे।

क्या है दूरस्थ शिक्षा

दूरस्थ शिक्षा की बात करें तो इसका मतलब होता है संस्थान से दूर घर या अन्य स्थान पर रहकर कम खर्चे में पढ़ाई करना। इसमें कॉलेज में संचालित नियमित कक्षाओं की आवश्यकता नहीं होती। इसमें ऑफ लाइन के साथ ही डिजिटल माध्यम फोन, लैपटॉप, टैबलेट आदि संसाधनों के माध्यम से पढ़ाई पूरी की जाती है। ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से दिशा निर्देश दिए जाते हैं। उन छात्रों के लिए डिस्टेंस एजुकेशन का विकल्प सबसे अच्छा है जो नौकरी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। ऐसे विद्यार्थियों के लिए दूरस्थ शिक्षा वरदान है। वह नौकरी के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखकर डिग्री पूरी कर सकते हैं।

ऑनलाइन कोर्स में भी ले सकते हैं प्रवेश

मंगलायतन विश्वविद्यालय को यूजीसी से ऑनलाइन कोर्स की भी मान्यता मिली हुई है। जिसमें बीबीए, बीसीए, बीए, एमए अंग्रेजी, एमए राजनीति विज्ञान, एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमए एजुकेशन, एमबीए, एमकॉम, एमसीए, एमएससी गणित पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विद्यार्थी ऑनलाइन फार्म भरकर प्रवेश ले सकते हैं। ऑनलाइन कोर्स में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ परीक्षा भी ऑनलाइन मोड़ में ही आयोजित की जाएगी।

प्रवेश संबंधी किसी भी जानकारी के लिए मेल आईडी cdoe@mangalayatan-edu-in] वेबसाइट www-mangalayatan-in व 9045954411–16, 8755998870, 8393878627 से प्राप्त की जा सकती है।

मण्डलायुक्त ने राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य का गहनता से किया निरीक्षण

कार्यदायी संस्था द्वारा समय से कार्य पूर्ण न किये जाने पर ब्लैक लिस्टेड करने से नहीं किया जाएगा गुरेज –मण्डलायुक्त, रविन्द्र

अलीगढ़। मण्डलायुक्त रविन्द्र द्वारा सोमवार को अलीगढ़ में निर्माणाधीन राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य का गहनता से निरीक्षण किया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि अनुबन्ध के आधार पर सितम्बर मासानत तक कार्य पूर्ण किया जाना है जोकि असंभव है। उन्होंने निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि मा0 मुख्यमंत्री समेत अन्य कैबिनेट मंत्री व उच्चाधिकारियों द्वारा निरीक्षण किये जाने के बावजूद निर्माण कार्यों में गति न होना लापरवाही का द्योतक है। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था द्वारा समय से कार्य पूर्ण न किये जाने पर ब्लैक लिस्टेड करने से गुरेज नहीं किया जाएगा। कार्यों को मानक एवं गुणवत्ता के अनुरूप पूर्ण कराया जाए।

अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग विश्व बैंक इन्द्रपाल सिंह ने बताया कि तीन किश्तों में कुल 75 करोड़ की धनराशि आवंटित हुई है जिसमें से 64.38 करोड़ का व्यय कर लगभग 64 प्रतिशत वित्तीय प्रगति प्राप्त की गयी है। जबकि अभी 10.62 करोड़ की धनराशि अवशेष है। उन्होंने विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन विभिन्न कार्यों की भौतिक प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासनिक एवं पुस्तकालय भवन में भूतल एवं प्रथम

तल पूर्ण है जबकि द्वितीय, तृती एवं चतुर्थ तल पर कार्य चल रहा है। पुरूष एवं महिला छात्रावास में द्वितीय तल की छत का कार्य पूर्ण है जबकि खिड़की, दरवाजे, विद्युतीकरण एवं फ्लोरिंग का कार्य प्रगति में है। कुलपति आवास एवं पुलिस चौकी में निर्माण कार्य पूर्ण कराते हुए फिनिशिंग कार्य कराया जा रहा है।

बाउण्ड्रीवाल निर्माण में कॉलम, एएसी ब्लॉक, टाईबीम, प्लास्टर एवं पेंटिंग का कार्य चल रहा है। रोडवर्क में आंतरिक रोड बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने शैक्षणिक भवन–01 व 02, सुविधा केन्द्र–डाकघर, बैंक, जलपान गृह, स्वास्थ्य केन्द्र, कर्मचारी क्वार्टर, गैरेज, आवास टाइप–3, 4 एवं 6, गार्ड रूम समेत अन्य निर्माण कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराई।

मण्डलायुक्त ने निर्माण कार्यों में हो रही देरी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि जल्द ही विश्वविद्यालय में सत्र संचालित कराते हुए शैक्षणिक कार्य शुरू कराया जाए, ताकि अलीगढ़ समेत आस–पास के जनपदों के विद्यार्थियों को इसका लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी धनराशि का व्यय तब तक शून्य ही माना जाएगा जब तक कि उसका लाभ आमजनमानस को प्राप्त न हो। उन्होंने पर्यवेक्षणीय लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर पैनी नजर रखें, कहीं भी अधोमानक निर्माण सामग्री का उपयोग न होने दिया जाए।

निरीक्षण के दौरान कुलपति राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय चन्द्रशेखर, रजिस्ट्रार एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों समेत कार्यदायी संस्था मै0 ईश्वर सिंह एण्ड एसोसिएट के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

रेजिमा वेलनेस सेन्टर सिल्वर प्लाजा जमालपुर में चिकित्सा शिविर व हेल्थ चेकअप मेला सम्पन्न

जिला संवाददाता प्रीती शर्मा अलीगढ। चिकित्सा शिविर व हेल्थ चेकअप मेले का आयोजन रेजिमा वेलनेस सेन्टर, सिल्वर प्लाजा, जमालपुर में किया गया। इस हेल्थ मेले मे 400 से अधिक मरीजों का फ्री चेकअप किया गया और दवाये बांटी गयी। इस हेल्थ कैम्प के आयोजक डा. मोहमद शाहिद मलिक (मैनेजिंग डायरेक्टर, व डा. नुजहत अख्तर ख्डायरेक्टर, ने मरीजो को फ्री दवाये देने के साथ साथ उन्हें बिमारीयों से बचने के सुझाव दिए। रेजिमा स्किन व वेलनेस सेन्टर यह कार्यक्रम पिछले 16 वर्षो से आयोजित कर रहा है

कैंप का उद्घाटन डॉक्टर नरेंद्र कुमार डिविजनल आयुर्वेद एंड युनानी ऑफिसर डॉक्टर शरीक अकील सीएमओ यूनिवर्सिटी हेल्थ सर्विस डॉक्टर हकीम अली खान रेनॉल्ट फिजिशियन मौजूद रहे इस कैंप में लगभग 50 दावों की कंपनियों ने हिस्सा लिया और कैंप में आए सारे मरीजों को 20 दिन 15 दिन और कम से कम 5 दिन की दवाएं फ्री में बांटी गई मुख्य अतिथि प्रोफेसर जावेद अख्तर पूर्व रजिस्टार अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी डीन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एवं अमित कुमार भट्ट एडीएम सिटी रहे।

कैंप समापन में डॉक्टर अब्दुल बरी डेंटल सर्जन डॉक्टर मिसबाहुद्दीन अजहर साइंटिस्ट डॉक्टर सुजाहुद्दीन डिविजनल सेक्रेटरी मौजूद रहे इस कैंप की कामयाबी का श्री डॉक्टर शाहिद मलिक व डॉक्टर नोजहत अख्तर ने डॉक्टर फैजल रहमान डॉक्टर सहजीब डॉक्टर फरहीन डॉक्टर तारिक और मीन आरिफ व रगिमा वैलनेस सेंटर के सारे स्टाफ मेंबर को दिया।

लॉयन क्लब अलीगढ़ सम्राट संस्था का हुआ इंस्टॉलेशन लॉयन मनोज शर्मा बनाए गए अध्यक्ष

अलीगढ़ (प्रीति शर्मा)। लॉयन क्लब अलीगढ़ सम्राट के तत्वावधान से नव निर्वाचित टीम का इंस्टॉलेशन आगरा से पधारी एमजेएफ लॉयन डॉक्टर स्वाति माथुर जी द्वारा कराया गया। क्लब के चार्टर मेंबर्स का सम्मान लॉयन बीके गुप्ता जी द्वारा किया गया एवं क्लब के दस नवीन सदस्यों का इंडक्शन आगरा से आए एमजेएफ लॉयन योगेश कंसल जी द्वारा कराया गया।क्लब के माध्यम से अधिष्ठापन समारोह में एक्टिविटी के रूप में 11000 रुपए ऐल सी आई एफ के लिए, 5000 रुपए मालवीय पुस्तकालय में पीसीएस की तैयारी कर रही जरूरतमंद छात्रा को बुक्स के लिए, टी आर कॉलेज से ग्रेजुएशन सेकंड ईयर कर रही जरूरतमंद छात्रा को फीस हेतु 5000 रुपए एवं 11000 रुपए केशव सेवा धाम में रहकर जीवन यापन कर रहे पूर्वोत्तर के छात्रों को सप्रेम भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन लॉयन डॉक्टर आलोक कुलश्रेष्ठ एवं लॉयन सी ए लोकेश अग्रवाल जी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बुलंदशहर से पधारे एमजेएफ लॉयन सी ए पी के जैन जी ने अपने आशीष वचन देकर क्लब का आभार प्रकट किया। क्लब के वर्तमान अध्यक्ष लॉयन मनोज शर्मा जी ने वर्तमान वर्ष में की गई एक्टिविटी एवं आगामी एक्टिविटी के बारे में प्रकाश डाला, की नोट स्पीकर बुलंदशहर से आए पीएमजेएफ लॉयन राकेश सिंघल जी ने सेवा कार्यों को करते रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में एमजेएफ लॉयन अजय सनाढ्य, लॉयन संजीव तोमर, कैबिनेट सेक्रेटरी लॉयन उमेश गोयल एवं चार्टर मेंबर लॉयन हरिकिशन गुप्ता एवं लॉयन डॉक्टर पीएस वार्ष्णेय जी, फंक्शन चेयरमैन लॉयन पवन कुमार गर्ग, लॉयन पुनीत अग्रवाल, लॉयन अनिल चावला, लॉयन अभिनव अग्रवाल, लॉयन बाबूलाल शर्मा, लॉयन धर्मवीर सिंह, लॉयन मनोज अग्रवाल, लॉयन नरेश गुप्ता, लॉयन प्रेम अरोड़ा, लॉयन राजीव अग्रवाल अल्फा, लॉयन राजीव अग्रवाल प्लस पॉइंट, लॉयन संजीव मित्तल, लॉयन श्याम नारायण अग्रवाल, लॉयन संजय कुमार अग्रवाल टिंबर, लॉयन वीरेंद्र सिंघल, लॉयन संजय अग्रवाल, लॉयन जगत नारायण अग्रवाल, लॉयन अमित अग्रवाल, लॉयन संतोष शर्मा, लॉयन आलोक कुमार मित्तल, लॉयन उपेंद्र गर्ग, लॉयन राजेश वार्ष्णेय, लॉयन सुनील अग्रवाल, लॉयन एडवोकेट कुमार पल्लव, लॉयन अमित भटनागर उपस्थित रहे।

अचल ताल पर भव्यता पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ व्यापारी महासम्मेलन

अलीगढ (प्रीती शर्मा)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन अलीगढ़ द्वारा आयोजित व्यापारी महासम्मेलन जयशंकर धर्मशाला अचल ताल पर भव्यता पूर्ण संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय नितिन अग्रवाल जी (आबकारी मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार व प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन) व विशिष्ट अतिथि श्री सागर अग्रवाल जी प्रदेश मंत्री एवं अलीगढ़ प्रभारी, जिला संरक्षक हिमांशु मित्तल, श्रवण अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, नीरज कुमार वार्ष्णेय, श्री अनुज अग्रवाल ,श्री निखिल अग्रवाल, श्री अमित मित्तल आदि रहे। माननीय नितिन अग्रवाल जी ने व्यापारियों को उनकी सभी समस्याओं का सरकार तक पहुंचाने का व उनका हल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वह पहले एक व्यापारी भी है। और व्यापारियों का दर्द भी समझते हैं। कार्यक्रम में महानगर के अतिथियों के अलावा मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री श्री आशीष गोयल जी ने

कहा की अलीगढ़ के सभी व्यापारियों के हित में काम करेंगे व्यापारियों की समस्या को जल्द से जल्द समाप्त करने की कोशिश करेंगे और अफसर राज खत्म करने की कोशिश करेंगे माननीय प्रदेश मंत्री जी ने कहाद्य कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रौनक जी, महानगर अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल जी, जिला महामंत्री आशीष बजाज, जिला कोषाध्यक्ष शिवेश वार्ष्णेय जी, जिला उपाध्यक्ष बंटी जादौन, जिला उपाध्यक्ष रत्नेश जेरो, जिला चेयरमैन गौरव गांधी, अमित कुमार पीतल ,हर्षवर्धन जी, गौरव शर्मा जी, मंत्री यज्ञ दत्त शर्मा जी, मो. नवेद जी, पंकज शर्मा जी, मितेंद्र शर्मा जी और मातृशक्ति की पूरी टीम के साथ सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत माननीय मंत्री जी नितिन अग्रवाल जी प्रदेश मंत्री व्यापार मंडल आशीष गोयल जी के निवास स्थान पर गए उसके उपरांत जिला अध्यक्ष रौनक गुप्ता के निवास स्थान पर गए और दोनों के परिवारों से मिलकर माननीय मंत्री जी ने बधाई दी।

चिलकौरा गांव में गाय के अवशेष मिलने पर ग्रामीणों ने काटा हंगामा

थाना क्वार्सी इलाके के गांव चिलकौरा में गााय सहित अन्य पशुओं के अवशेष व भ्रूण मिलने पर हंगामा हो गया। गाय के अवशेष व भ्रूण मिलने पर हो रहे हंगामे की सूचना पर डीएसपी सहित काफी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। जहां पुलिस ने मौके पर पड़ताल करते हुए हंगामा कर रहे लोगों की समस्या सुनकर शांत कराते हुए पशुओं को अवशेषों व भ्रूण के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा हैं। गांव में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया है वहीं पुलिस के अनुसार भ्रूण भैंस का बताया जा रहा है अवशेषों को पुलिस ने गड्ढा खोदकर दफना दिया है। फिलहाल पुलिस लोगों की तहरीर पर मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई हैं। भारतीय किसान यूनियन सुनील गुट के जिला अध्यक्ष कौशल कुमार ने बताया कि गांव में रात के समय गर्भवती गाय को काटा है। जिसका भ्रूण के साथ कटे हुए अवशेष मिले हैं पुलिस को सूचना दी। जहां पुलिस ने अवशेषों के साथ भ्रूण के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा हैं। घटना स्थल के आसपास की आबादी की भी जांच की जा रही है। पशुओं के अवशेष होने की सूचना पर मौके पर पहुची पुलिस ने अवशेषों को लेकर जॉच के लिये प्रयोगशाला भेज दिया है। ग्रामीणों को पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। साथ ही शान्ति व्यवस्था कायम रखने की अपील की है दोषियों के खिलाफ पशु क्रूरूरता अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही का अश्वासन दिया।

ऑल इण्डिया महापदमनन्द कम्यूनिटी एजुकेटेड एसोशियन के तत्वावधान में सविता सेन नन्द समाज का मण्डलीय केडर केम्प सम्पन्न

अलीगढ। ऑल इण्डिया महापदमनन्द कम्यूनिटी एजुकेटेड एसोशियन के तत्वधान में सविता सेन नन्द समाज का मण्डलीय एक दिवसीय प्रशिक्षण केडर केम्प का आयोजन कर्पूरी ठाकुर जागृति केन्द्र मुकन्दपुर पर किया गया।

कार्यक्रम में सविता सेन नन्द समाज के लोगों को समाजिक व राजनैतिक चेतना को जाग्रत करने हेतु आयोजन किया गया कार्यक्रम में सविता समाज के विभिन्न पार्टीयों के नेतागण समाज के उत्थान हेतु एक ही बेनर तले नजर आये।

केडर प्रभारी सुदामा प्रसाद नन्द ने बाताया कि सविता समाज का इतिहास बहुत ही गौरवशाली इतिहास है लेकिन समाज लोगों में शिक्षा के अभाव के चलतें उन्है अपने इतिहास के बारे जानकारी नही अन्य समाज के लोग भी हमारे समाज के लोगों से तमाम अपशब्दों का प्रयोग करते है और हमारे समाज को सदैव नीचा दिखाने का कार्य करते हे लेकिन अब बस अब वो लोग भी ये समझ ले कि समाज का उत्थान हो चुका है समाज के किसी भी व्यक्ति को अपमानित किया गया तो समाज उसको जबाब देने को तैयार है। समाज के बक्ताओं ने भी समाज के उत्थान हेतु अपने अपने विचार प्रकट किये। बही अशोक कुमार नन्द द्वारा सभी आगन्तुको का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विनोद सविता सूरजपाल राना अजय प्रताप सिंह अरविन्द भैया हरीकिशन सिंह सोनू सिंह राकेश कुमार वर्मा शिव कुमार राजौरिया हरी सिंह ठाकुर रामखिलाडी सविता आदि लोग उपस्थित रहे।

देवी वाली गली परिवार की ओर से गणेश महोत्सव प्रारम्भ

अलीगढ़ (प्रीति शर्मा)। देवी वाली गली परिवार की ओर से महानगर अलीगढ़ द्वारा श्री गणेश पूजा महोत्सव 2023 का शुभारंभ 19 सितंबर से शुरू होने जा रहा है जो की 28 सितंबर तक चलेगा आज सुबह 11. 30 बजे से प्रभात फेरी निकाली गयी जो की देवी वाली कनवरी गजं से प्रारंभ होकर कटरा गुड़िया बाग,उदय सिंह जैन रोड होते ,हुए देवी वाली गली भैया जी कै हाथै में मै बाबा की मूर्ति स्थापित हुई। जिसमें मुख्य रूप मनोज वार्ष्णेय मंडल उपाध्यक्ष भाजपा राजू बीपी एल, प्रियांशु कपिल अरविंद मोहित बिल्लू लव, उमंग, कालू विराट,प्रिया, रीता, वीरवाला रजनी,मनीषा, अमिता,कबिता, राजकुमारी ललतेश गीत, चहक, वियोम, हिमाशी आदि मौजूद रही।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।